UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-304 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 youngbharatepaper.com

यूपी पंचायत चुनावः 3 महीने के अंदर बज जाएगा चुनावी बिगुल, सामने आई सबसे बड़ी अपडेट

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर चल रहे लंबे इंतजार के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बहुत बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग को कड़े निर्देश देते हुए तीन महीने के भीतर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने को कहा है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद उन चर्चाओं पर फिलहाल विराम लगता दिख रहा है, जिनमें यह कहा जा रहा था कि पंचायत चुनाव को सीधे 2027 के विधानसभा चुनाव तक टाला जा सकता है। इस नए आदेश के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राज्य सरकार तय समयसीमा के भीतर चुनाव कराने की अपनी तैयारियां तेज करेगी या फिर इस आदेश को चुनौती देने के लिए किसी कानूनी विकल्प का सहारा लेगी।

राज्य में पंचायत चुनाव में हो रही लगातार देरी और निवर्तमान ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाए रखने की व्यवस्था को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इसी मामले पर सुनवाई करते हुए बुधवार, 14 अक्टूबर को न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में साफ निर्देश दिया कि राज्य में तीन महीने के भीतर पंचायत चुनाव संपन्न कराए जाएं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदालत ने फिलहाल राज्य सरकार के उस शासनादेश में कोई बदलाव नहीं किया है, जिसके तहत निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि जब तक नए चुनाव होकर परिणाम सामने नहीं आ जाते, तब तक वर्तमान प्रधान ही प्रशासक की भूमिका में बने रहेंगे। लाहाबाद हाईकोर्ट के इस सख्त रुख के बाद अब राज्य सरकार के सामने मुख्य रूप से दो ही विकल्प चर्चा में बने हुए हैं। पहला विकल्पः चुनाव की तैयारियों को युद्ध स्तर पर तेज करना। सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग मिलकर मतदाता सूची, सीटों के आरक्षण, और चुनावी कार्यक्रम से जुड़ी सभी जरूरी प्रक्रियाओं को तय समयसीमा के भीतर पूरा करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा सकते हैं। दूसरा विकल्पः कानूनी चुनौती का रास्ता अपनाना। यदि राज्य सरकार या संबंधित प्रशासन अदालत के इस फैसले के किसी भी हिस्से से असहमत नजर आता है, तो वह उपलब्ध कानूनी उपायों पर विचार कर सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में अपील करने जैसी संभावनाओं पर अभी केवल कयास लगाए जा रहे हैं, और जब तक सरकार या प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आता, तब तक यह कहना मुश्किल है कि मामला आगे सुप्रीम कोर्ट जाएगा या नहीं। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों का आधिकारिक कार्यकाल मई 2026 में ही पूरा हो चुका है। कार्यकाल खत्म होने के बाद गांवों में कामकाज ठप न हो, इसलिए निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने की व्यवस्था लागू की गई थी। इसके बाद से ही चुनाव में हो रही देरी को लेकर अदालत में सवाल उठने लगे थे। दूसरी तरफ, चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण और उससे जुड़े आंकड़ों को स्पष्ट करने के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का मुद्दा भी काफी अहम रहा है। राज्य सरकार की तरफ से लगातार यह तर्क दिया जाता रहा है कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने और आरक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने में समय लग रहा है, जिसके कारण चुनाव कराने में थोड़ा वक्त लग रहा है। वहीं दूसरी तरफ, याचिकाकर्ताओं ने पंचायतों के संवैधानिक कार्यकाल और समय पर चुनाव कराने के प्रावधानों का हवाला देते हुए अदालत का दरवाजा

शख्स जिसे तीन बार फांसी पर लटकाया, हर बार बच गया जिंदा, हार गई मौत भी और फिर...

(यंग भारत न्यूज)

दुनिया में जब किसी अपराधी को मौत की सजा सुनाई जाती है, तो माना जाता है कि उसका अंत तय है। अपने पति की हत्या कर नीले ड्रम में पैक करने वाली मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। जिसको फांसी पर लटकाया जाता है, उसकी मौत तय होती है लेकिन इतिहास में एक ऐसा मामला भी दर्ज है, जहां एक शख्स को तीन बार फांसी दी गई, फिर भी उसकी मौत नहीं हुई। यह कहानी है जॉन ली की, जिसे 'द मैन दे कैन्ट हैंग' भी कहा जाता है।

जॉन ली इंग्लैंड में एक अमीर महिला के घर काम करता था। कुछ समय बाद चोरी के शक में उसे नौकरी से निकाल दिया गया। फिर 15 नवंबर 1884 को उसी इलाके में एक महिला की हत्या हुई, जिसका आरोप जॉन ली पर लगा। हालांकि वह खुद को बेगुनाह बताता रहा, लेकिन सबूत उसके खिलाफ थे और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।3 बार लटकाया गया फांसी परःअदालत ने जॉन ली को दोषी मानते हुए मौत की सजा सुना दी। 23 फरवरी 1885 को उसे फांसी देने के लिए फंदे तक ले जाया गया। लेकिन जैसे ही जल्लाद ने हैंडल खींचा, फांसी का दरवाजा खुला ही नहीं। यह देख सभी हैरान रह गए। अगले दिन फिर कोशिश की गई, लेकिन इस बार भी वही हुआ–दरवाजा नहीं खुला। तीसरी बार भी यही घटना दोहराई गई। यानी जॉन ली को तीन बार फांसी देने की कोशिश हुई, लेकिन हर बार वह बच गया। जांच में सामने आई यह चीजः इस अजीब घटना के बाद मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा और जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि फांसी के तख्ते में एक लोहे का टुकड़ा फंस गया था, जिसकी वजह से दरवाजा जाम हो गया था और खुल नहीं पा रहा था।

हार गई मौत भीः हालांकि, उस समय लोगों ने इसे किसी चमत्कार से कम नहीं माना। अंत में ब्रिटिश सरकार ने जॉन ली की सजा माफ कर दी। अदालत का मानना था कि उसने तीन बार मौत का सामना कर लिया है, जो किसी भी इंसान के लिए पर्याप्त सजा है। यह मामला आज भी इतिहास के सबसे रहस्यमयी और हैरान करने वाले मामलों में गिना जाता है।

एसपी ने शुरू कराई फरियादियों के हित में "भरोसापर्ची"योजना

(यंग भारत न्यूज)

उरई। नवागंतुक पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत ने जिले का चार्ज लेते ही पत्रकारवार्ता में घोषणा की थी कि शासन की योजनायें उनकी प्राथमिकता में रहेंगी। इसी क्रम में उन्होंने जिलेभर से एसपी कार्यालय आने वाले फरियादियों के लिए एक नई व्यवस्था लागू की जायेगी। बृहस्पतिवार से पुलिस अधीक्षक श्री रावत ने प्रत्येक फरियादी को उसका प्रार्थना पत्र लेकर शिकायत सुनने के बाद पुलिस की ओर से एक भरोसापर्ची देने की व्यवस्था प्रारम्भ करा दी है। उक्त पर्ची में शिकायतकर्ता का नाम, पता उसका फोटो भी लगा होगा। उसके समस्या के निस्तारण के लिए 15 दिन का समय पुलिस की ओर से दिया जायेगा। पर्ची में शिकायत का निस्तारण करने वाले अधिकारी का नाम भी होगा। यही नहीं पुलिस अधीक्षक ने अपनी देख–रेख में अतिरिक्त स्टाफ लगाकर यह व्यवस्था सुचारू कर दी है। यदि 15 दिन होने पर भी फरियादी की समस्या का निस्तारण नहीं होता तो शिकायतकर्ता पुलिस अधीक्षक श्री रावत से इस बावत् फोन पर बात कर सकता है। इस हेतु पुलिस अधीक्षक ने पर्ची में अपना मोबाइल नं० भी डलवा दिया है। आज से जब भरोसापर्ची व्यवस्था प्रारम्भ की गई तो दूर–दराज से आने वाले फरियादियों के चेहरे खिल उठे। और उन्हें पर्ची देखकर एक सच्चा विश्वास मन में जागृत हुआ कि अब हमारी समस्या का अवश्य ही निदान हो जायेगा।

बेटी की दोस्त पर आया पिता का दिल, 30 की युवती संग हुई आंखें चार, 75 की उम्र में घोड़ी चढ़ने को तैयार दादा

(यंग भारत न्यूज)

इटावाः आपने प्रेम कहानी तो बहुत देखी होगी, जिसमें लड़का–लड़की को आपस में प्रेम होता है और फिर बड़ी मशक्कत के बाद घरवालों की मंजूरी से शादी होती है. मगर उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में अनोखी प्रेम कहानी चर्चा में है. दरअसल औरैया जिले के सहार ब्लॉक के अरियारी गांव के 75 वर्षीय रामसुगर को 30 वर्षीय इंस्टाग्राम ब्लॉगर रानी राजपूत से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का फैसला लिया है. रामसुगर ने बताया कि पिछले दो साल से रानी का उनके घर आना–जाना था, क्योंकि उनकी बेटी राधा यूट्यूबर है और रानी वहां वीडियो शूट करने आती थी. इसी दौरान मुलाकातें प्यार में बदल गईं, सात साल पहले रामसुगर की पत्नी का निधन हो चुका है. प्यार उम्र नहीं देखता, इस बात को सच साबित करती एक अनोखी प्रेम कहानी ने लोगों को हैरत में डाल दिया.औरैया के सहार ब्लॉक के अरियारी गांव के रहने वाले 75 वर्षीय वृद्ध रामसुगर को औरैया की रहने वाली 30 वर्षीय चर्चित इंस्टाग्राम ब्लॉगर रानी राजपूत से मोहब्बत हो गई. उम्र के इस पड़ाव पर परवान चढ़े प्यार को अब दोनों ने शादी के बंधन में तब्दील करने का फैसला कर लिया है. वृद्ध रामसुगर ने बताया कि रानी राजपूत का उनके घर पिछले दो वर्षों से लगातार आना–जाना था. रामसुगर की पुत्री राधा खुद एक यूट्यूबर है और रानी उनके घर अक्सर वीडियो शूट करने आती थीं. राधा के साथ वीडियो शूटिंग के दौरान ही रानी का रामसुगर के घर आना–जाना बढ़ा और धीरे–धीरे मुलाकातों का यह सिलसिला प्यार में बदल गया. करीब सात साल पहले रामसुगर की पत्नी का निधन हो चुका है. इसके बाद अब उन्हें अपना हमसफर रानी राजपूत के रूप में नजर आया है. बेटी राधा ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले औरैया में उनके पिता रामसुगर और इंस्टाग्राम ब्लॉगर रानी राजपूत की सगाई हुई. इस सगाई का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपलोड हुआ, वह तेजी से वायरल हो गया. वीडियो सामने आने के बाद से ही पूरे क्षेत्र में इस अनोखी शादी की चर्चाएं जोरों पर हैं. परिजन के अनुसार, इस रिश्ते को आधिकारिक रूप से आगे बढ़ाते हुए जल्द ही दोनों पूरे रीति–रिवाज और परंपराओं के साथ विवाह के बंधन में बंधेंगे. शादी की सभी रस्में और तैयारियां जोर–शोर से शुरू कर दी गई हैं. वहीं बुजुर्ग रासुगर का कहना है कि सगाई के 2 से 3 महीने बाद दोनों की शादी होगी.

फांसी की सजा पर अमल में देरी, देश में 574 दोषियों को अब तक नहीं हुई फांसी, मुस्कान-साहिल भी डेथ रो में शामिल

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

मेरठः देश की अदालतों में गंभीर आपराधिक मामलों में दोषियों को फांसी की सजा सुनाई जाती है, लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रियाओं और तकनीकी बाधाओं के चलते सजा पर अमल में देरी होती है। ऐसे में मौत की सजा पाने वाले कई दोषी लंबे समय तक जेलों में बंद रहते हैं और फांसी की सजा का अमल न होने के कारण उनकी स्थिति आजीवन कारावास जैसी बन जाती है। मेरठ के चर्चित नीला ड्रम हत्याकांड में सौरभ राजपूत की हत्या के दोषी उसकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को जिला जज की अदालत से फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद यह मुद्दा फिर चर्चा में है।

3 मार्च 2025 को मेरठ में मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें नीले प्लास्टिक के ड्रम में रखकर सीमेंट से सील कर दिया गया था। फांसी की सजा से जुड़े मामलों का विश्लेषण करने वाले लव कुमार के मुताबिक, मौत की सजा पाए मामलों की पड़ताल करने पर पता चलता है कि फांसी की सजा अब तकनीकी प्रक्रिया अधिक और व्यावहारिक रूप से कम नजर आती है। कुछ बेहद गंभीर मामलों को छोड़ दें तो फांसी की सजा का अमल लंबे समय तक न होने के कारण यह लगभग आजीवन कारावास जैसी बनकर रह जाती है। लव कुमार के मुताबिक,

फरवरी में जारी नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 'द स्क्वायर सर्कल क्लिनिक' की वार्षिक सांख्यिकी रिपोर्ट–2025 के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक भारत में मौत की सजा पाए कुल 574 दोषियों को फांसी नहीं दी गई थी। इनमें 550 पुरुष और 24 महिलाएं शामिल थीं मेरठ में मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इस संख्या में दो दोषियों का इजाफा हुआ है। इसके मुताबिक, पुरुष दोषियों की संख्या 551 और महिला दोषियों की संख्या 25 हो गई है। इस तरह कुल संख्या 576 हो जाती है। मौत की सजा पाने वाले ऐसे कैदियों को कानूनी भाषा में 'डेथ रो' में बंद कैदी कहा जाता है। लव कुमार के मुताबिक, देश में डेथ रो के सबसे ज्यादा कैदी उत्तर प्रदेश में हैं। निचली अदालत से मौत की सजा सुनाए जाने के बाद मामले को हाईकोर्ट से पुष्टि, सुप्रीम कोर्ट में अपील और राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका जैसी लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन चरणों के कारण फांसी की सजा पर अमल में देरी होती है। लव कुमार का कहना है कि 21वीं सदी में अब तक केवल पांच मामलों में फांसी दी गई है। इनमें तीन मामले आतंकवाद से जुड़े थे, जबकि निर्भया सामूहिक दुष्कर्म और हत्याकांड भी शामिल था। देश में पिछली बार 20 मार्च 2020 को फांसी दी गई थी। उस दिन दिल्ली के निर्भया सामूहिक दुष्कर्म और हत्याकांड के चार दोषियों मुकेश सिंह, विनय शर्मा, पवन गुप्ता और अक्षय ठाकुर को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। यह मामला वर्ष 2012 का था इससे पहले 2015 में मुंबई बम धमाकों की साजिश और उसमें मदद के मामले में दोषी ठहराए गए याकूब मेमन को नागपुर सेंट्रल जेल में फांसी दी गई थी। वर्ष 2013 में संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु और 2012 में मुंबई हमलों के दोषी अजमल कसाब को फांसी दी गई थी। इससे पहले 2004 में धनंजय चटर्जी को एक स्कूली छात्रा के दुष्कर्म और हत्या के मामले में फांसी दी गई थी। वर्ष 1995 में तमिलनाडु की सेलम सेंट्रल जेल में गौरी शंकर उर्फ ऑटो शंकर को छह लोगों की हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के मामले में फांसी दी गई थी। लव कुमार के मुताबिक, आजाद भारत में अब तक केवल एक महिला रतनबाई जैन को फांसी दी गई है। उन्हें 3 जनवरी 1955 को तीन लड़कियों की जहर देकर हत्या करने के जुर्म में तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। वर्तमान में देश की जेलों में 24 महिलाएं मौत की सजा पा चुकी थीं। मुस्कान को सजा सुनाए जाने के बाद यह संख्या बढ़कर 25 हो गई है। इन महिलाओं के मामलों में अपील, दया याचिका या अन्य कानूनी प्रक्रियाएं अलग–अलग स्तर पर लंबित हैं। उत्तर प्रदेश के अमरोहा की शबनम का मामला भी काफी चर्चित रहा है। वर्ष 2008 में परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में उसे 2010 में मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन अब तक उसे फांसी नहीं दी गई है।

यूपी सरकार का फैसला, किसानों-पशुपालकों के लिए 4 बड़ी खुशखबरी

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों और पशुपालकों को खेती-किसानी में मदद देने के लिए मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के उपहारों में बदलाव किया है। अब लकी ड्रॉ के जरिए किसानों को टीवी जैसी वस्तुओं के बजाय खेती और पशुपालन में काम आने वाले उपकरण दिए जाएंगे। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने समिति की सिफारिशों के आधार पर उपहारों की सूची में संशोधन किया है। इसके साथ ही किसानों को मुफ्त प्लास्टिक कैरेट और कृषि विद्यार्थियों को बढ़ी हुई छात्रवृत्ति का लाभ देने की व्यवस्था भी की गई है।

योजना के त्रैमासिक लकी ड्रॉ में द्वितीय उपहार के तौर पर मिलने वाले 43 इंच के एलईडी टीवी को हटाकर अब तीन हॉर्स पावर की चारा काटने वाली मशीन शामिल की गई है। इसकी अनुमानित कीमत 30 हजार रुपये होगी। प्रत्येक संभाग में ऐसी तीन मशीनें वितरित की जाएंगी। इससे पशुपालकों को चारा तैयार करने में आसानी होगी और मेहनत भी कम लगेगी। मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के छमाही ड्रॉ के उपहारों में भी बदलाव किया गया है। प्रथम उपहार के रूप में 35 हॉर्स पावर का ट्रैक्टर पहले की तरह मिलता रहेगा। द्वितीय उपहार की श्रेणी में बदलाव करते हुए 20 हॉर्स पावर से कम क्षमता वाले छोटे ट्रैक्टर को शामिल किया गया है। इससे पहले इस श्रेणी में 900 लीटर क्षमता वाले 11 किलोवाट पावर टिलर और 13.7 हॉर्स पावर क्षमता के उपकरण शामिल थे। वहीं, तृतीय उपहार में पावर टिलर और रीपर जैसे उपकरणों की जगह 100 सीसी की मोटरसाइकिल दी जाएगी। चतुर्थ उपहार के रूप में सोलर पावर पैक संयंत्र शामिल किया गया है। इन बदलावों का उद्देश्य उपहारों को किसानों की जरूरतों के अधिक अनुकूल बनाना है। मंडी परिषद किसानों को फल और सब्जियों की तुड़ाई तथा ढुलाई के दौरान उपज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मुफ्त प्लास्टिक कैरेट भी उपलब्ध करा रही है। इसके लिए मंडियों को चार श्रेणियों में बांटकर वितरण का लक्ष्य तय किया गया है। क श्रेणी के 500 किसानों को चार-चार कैरेट, कुल 2,000 कैरेट। ख श्रेणी के 250 किसानों को चार-चार कैरेट, कुल 1,000 कैरेट। जबकि ग श्रेणी के 200 किसानों को कैरेट, कुल 800 कैरेट। घ श्रेणी के 150 किसानों को कैरेट, कुल 600 कैरेट। इस तरह कुल 4,400 प्लास्टिक कैरेट वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि शिक्षा हासिल कर रहे विद्यार्थियों के लिए भी राहत की खबर है। मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के तहत कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि संस्थानों और कृषि महाविद्यालयों से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति 3,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दी गई है। इससे पात्र विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों में आर्थिक सहायता मिलेगी

सौतेली मां को लेकर भाग गया बेटा, शादी भी की, पिता का छलका दर्द बोले- मेरे सारे अरमान अधूरे रह गए

(यंग भारत न्यूज)

माँ बेटे का रिश्ता बेहद पवित्र होता है, मगर कुछ लोग इसे शर्मसार करने में भी परहेज नहीं करते. हरियाणा के नूंह से ऐसा ही एक मामला सामने आया है. यहां एक शख्स की बीवी की मौत हो गई तो उसने दूसरी शादी कर ली. लेकिन शख्स के होश तब फाख्ता हो गए, जब उसे पता चला कि नई बीवी को उसी का बेटा भगा ले गया है. पीड़ित ने थाने में जाकर तहरीर दी. पुलिस इस केस की जांच में जुटी है. उधर, पूरे गांव में इस लव स्टोरी की चर्चा हो रही है.

जानकारी के मुताबिक, पहले बेटा अपनी सौतेली मां को कोर्ट लेकर गया. वहां दोनों ने कोर्ट मैरिज की. उसके बाद दोनों फरार हो गए. पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि दोनों बालिग हैं.पीड़ित ने बताया- मेरी पत्नी की मौत हो गई थी. पहली पत्नी की मौत के बाद मैंने दूसरी शादी की. ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। फिर अपने नाबालिग बेटे के साथ घर में रहने लगा. इस दौरान नाबालिग बेटे और सौतेली मां में प्रेम संबंध बन गए. इसके बाद दोनों ने घर से भागकर शादी कर लेने का फैसला किया. और हमें इसकी भनक तक नहीं लगी. दोनों घर से गहनें और कई कीमती सामान लेकर फरार हो गए और कोर्ट में शादी कर ली. शख्स ने बताया कि उनका बेटा अपनी सौतेली मां के पैर छूता था, लेकिन पता नहीं कब दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया और दोनों घर से फरार हो गए. पिता ने पुलिस को बताया कि दोनों घर से 30 हजार रुपए, गहने और कई कीमती सामान लेकर भागे हैं. जब शख्स अपनी पत्नी और बेटे की शिकायत लेकर पहुंचा तो पुलिस को बताया कि बेटा नाबालिग है. ऐसे में दोनों की कोर्ट में हुई शादी गैरकानूनी है. हालांकि, पुलिस ने शख्स के दावे को खारिज करते हुए कहा कि दोनों कोर्ट में अपने बालिग होने के सबूत दिए हैं और अब दोनों की शादी हो गई है. पुलिस ने कहा है कि इस मामले की जांच की जाएगी.

चौकी में महिला से बर्बरता, 3 दिन तक जूतों-डंडों से पीटा, चोरी के शक में पुलिस लाई थी

(यंग भारत न्यूज)

चोरी के शक में पूछताछ के नाम पर एक महिला से फजलगंज क्षेत्र की गुमटी नंबर पांच चौकी में बर्बरता की गई। आरोप है कि बगैर रिपोर्ट दर्ज किए उसे तीन दिन चौकी में रखा गया और जूते-डंडों से पीटा गया।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उनसे मिलने तक नहीं दिया। बुधवार को अधिवक्ता के साथ चौकी पहुंचे परिजनों ने हंगामा किया तो अधिकारियों ने परिजनों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने महिला को बिना मेडिकल कराए ही घर भेज दिया, जबकि उसके हाथ में पिटाई के निशान हैं और सूजन भी आ गई है। हालांकि, पुलिस ने मारपीट के आरोपों को गलत बताया है। राजापुरम निवासी महिला छाया सिसौदिया ने बताया कि पति की मौत के बाद वह घरों में चौका-बर्तन करके परिवार का पालन-पोषण करती है। वह पिछले दो महीने से बंबा रोड स्थित नानक मसाले वाले के घर में काम कर रही थी। महिला का आरोप है कि तीन दिन पहले गुमटी नंबर पांच चौकी प्रभारी सचिन सागर पुलिसकर्मियों के साथ उसके घर पहुंचे और चोरी के शक में उसे चौकी ले गए। उसे बताया गया कि जिस घर में काम करती हो, वहां से चेन-अंगूठी चोरी हुई है। उसे तीन दिन तक चौकी में बैठाकर रखा गया और जूते व डंडों से पीटा गया। महिला के परिजनों के मुताबिक, तीन दिन तक पुलिस ने उनसे मिलने नहीं दिया। बुधवार को वह महिला अधिवक्ता संगीता द्विवेदी के साथ चौकी पहुंचे और महिला के बारे में जानकारी मांगी। आरोप है कि चौकी में मौजूद दरोगा महेंद्र सिंह ने उनके साथ अभद्रता की और धमकाया। इससे नाराज परिजनों ने इलाकाई लोगों के साथ चौकी के बाहर हंगामा किया। सूचना पर एसीपी स्वरूप नगर ज्योतिश्री और फजलगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को शांत कराया। करीब चार घंटे तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने महिला को परिजनों के साथ घर भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि महिला को बिना मेडिकल परीक्षण कराए ही घर भेज दिया गया। पूर्व में नवाबगंज थाने की एक चौकी के प्रभारी ने जुए के मामले में युवक को चौकी ले जाकर पांच लाख रुपये की वसूली की थी। पीड़ित की शिकायत पर मामला सही निकलने पर चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद तत्कालीन ज्वाइंट सीपी आशुतोष कुमार ने आदेश जारी किया था कि किसी को पूछताछ के लिए चौकी नहीं लाया जाएगा।

अगर पूछताछ करनी है तो थाने में होगी। वहीं कानूनन किसी भी व्यक्ति को बिना रिपोर्ट दर्ज करे पुलिस नहीं ला सकती है। न ही किसी महिला को सूर्यास्त के बाद थाने में रोका जा सकता है। फजलगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद महिला को शक के आधार पर पूछताछ के लिए लाया गया। पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया। महिला से मारपीट के आरोप गलत हैं। वहीं परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने बगैर रिपोर्ट उसे चौकी में तीन दिन रखकर प्रताड़ित किया।

मां के सामने पिता ने इकलौते बेटे और बहू को कुचला, चाल-चलन पर था विवाद; बेटे ने घर में लगवाए थे सीसीटीवी कैमरे

(यंग भारत न्यूज)

एक दिल दहला देने वाले मामले में पिता पर अपनी पत्नी के सामने ही इकलौते बेटे और बहू को कुचलने का आरोप लगा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, परिवार में बेटे के चाल-चलन को लेकर विवाद चल रहा था।बताया गया है कि बेटे ने घर में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए थे। घटना के पीछे की वजह और उससे जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, परिवार में बेटे के चाल-चलन को लेकर तनाव था।इसी विवाद के बीच घटना हुई, जिसमें इकलौते बेटे और बहू की जान चली गई या वे गंभीर रूप से घायल हुए-इस संबंध में उपलब्ध जानकारी में स्थिति स्पष्ट नहीं है। घटना के समय मां के सामने होने की बात भी सामने आई है।

मामले में यह जानकारी भी सामने आई है कि बेटे ने घर में सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। कैमरे लगाने की वजह और क्या उनमें घटना से संबंधित कोई रिकॉर्डिंग मौजूद है, इसकी पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती। यदि रिकॉर्डिंग उपलब्ध है, तो वह जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकती है। इस मामले में पिता पर लगे आरोपों की पुष्टि जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होगी। घटना के सही कारण, परिवार के बीच हुए विवाद और सीसीटीवी फुटेज की भूमिका को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। घटना किस शहर या जिले में हुई, साथ ही पुलिस की कार्रवाई और घायलों या मृतकों की स्थिति की जानकारी मिलने पर खबर को अधिक स्पष्ट और तथ्यात्मक रूप दिया जा सकता है।

दुष्कर्म में नाकाम रहा तो महिला को बुरी तरह पीटा; बरेली में पकड़ा गया दरिंदा सोहिल अली... देशी दारू के ठेके पर मिला फरार काटते हुए

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की बरेली पुलिस ने महिला से दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट करने के मामाले में फरार एक आरोपी को दबोच लिया है। आरोप है कि वह शीशगढ़ इलाके की रहने वाली एक महीला के साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया था। इसके साथ ही वह महिला के साथ मारपीट भी किया था। पुलिस ने आरोपी को बुधवार (14 अक्टूबर 2026) को मानपुर के एक देशी शराब के दुकान से गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान जाकिर अली के औलाद सोहिल के रूप में हुई है।

मामला बरेली जनपद के शीशगढ़ थाना क्षेत्र का है। जहां सोमवार (12 अक्टूबर 2026) को एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट भी किया जिसके बाद महिला को काफी चोटें भी लगी। उसके बाद उसने घटना का जिक्र किसी से नहीं करने की भी धमकी दी। पुलिस ने मामले की शिकायत को दर्ज कर आरोपी की पहचान करने में जुट गई। जांच के बाद पता चला कि आरोपी का नाम सोहिल है जो मानपुर का रहने वाली है। जिसके बाद पुलिस उसे पकड़ने के लिए दबिश देने लगी। बुधवार को पुलिस को एक सूचना मिली कि आरोपी मानपुर के ही एक देशी शराब के दुकान के सामने मोटरसाइकल के साथ खड़ा है। उसके बाद पुलिस ने जानकारी के आधार पर पहुंचकर आरोपी को एक झटके में गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी पर कानूनी कारवाई कर रही है। इसके साथ ही पुलिस ने कहा कि किसी भी तरह के अपराध करने वाले अपराधियों को किसी भी हाल में नहीं बख्शा जायेगा।

आमिर खान के भांजे इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस, मुंबई पुलिस का बड़ा एक्शन, क्या है पूरा मामला?

(यंग भारत न्यूज)

बॉलीवुड एक्टर और आमिर खान के भांजे इमरान खान एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई पुलिस की ओर से जारी किया गया भारत छोड़ने का नोटिस है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने इमरान खान को 28 अक्टूबर 2026 तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि ये कार्रवाई उनके अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद मुंबई में एक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के मामले से जुड़ी है।जानकारी के अनुसार इमरान खान 10 अक्टूबर 2026 को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। ये प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किया गया था। इस दौरान पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में ले लिया था, हालांकि देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया था। इसके बाद 12 अक्टूबर 2026 को उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। अब भारत छोड़ने का नोटिस जारी होने के बाद ये मामला और चर्चा में आ गया है।-मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुंबई पुलिस ने इमरान खान को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वह भारतीय नागरिक नहीं हैं। इसके बावजूद उन्होंने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इसी आधार पर उनके खिलाफ इमिग्रेशन कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई किए जाने की बात सामने आई है।हालांकि

नोटिस से जुड़े कानूनी आधार, इमरान खान की भारत में रहने की मौजूदा इमिग्रेशन स्थिति और इस कार्रवाई को चुनौती देने के किसी कदम की विस्तृत जानकारी की पुष्टि जरूरी है। फिलहाल इस मामले में सामने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। - इमरान खान का जन्म 13 जनवरी 1983 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मैडिसन शहर में हुआ था। वह बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान के भांजे हैं और फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। इमरान खान ने साल 2008 में फिल्म जाने तू या जाने ना से बॉलीवुड में बतौर लीड हीरो अपनी पहचान बनाई थी।- इमरान खान के पिता अनिल पाल सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जबकि उनकी मां नुजहत खान मनोवैज्ञानिक हैं। नुजहत खान फिल्म निर्माता और निर्देशक नासिर हुसैन की बेटी हैं। वह निर्देशक मंसूर खान की बहन और एक्टर आमिर खान की चचेरी बहन भी हैं। -इमरान खान की पारिवारिक पृष्ठभूमि में भारतीय और विदेशी दोनों तरह के सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। उनका जन्म अमेरिका में हुआ था और उपलब्ध जानकारी के मुताबिक उनके पास अमेरिकी नागरिकता है। यही वजह है कि मुंबई पुलिस की ओर से जारी नोटिस में उनकी नागरिकता और भारत में रहने की कानूनी स्थिति अहम पहलू बनकर सामने आई है।-इमरान खान के खिलाफ 12 अक्टूबर 2026 को मुंबई पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। ये मामला 10 अक्टूबर 2026 को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। इस प्रदर्शन में इमरान खान के साथ उनकी गर्लफ्रेंड लेखा वाशिंगटन और उनकी कजिन जायन मैरी खान भी मौजूद थीं। पुलिस ने इन तीनों को हिरासत में लिया था। -ये प्रदर्शन दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शन के सपोर्ट में आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में इस दौरान 400 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था। इमरान खान को शाम करीब 5:30 बजे हिरासत में लिया गया और रात लगभग 9 बजे रिहा कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। -मुंबई पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में इमरान खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं। इनमें धारा 223, धारा 126(2), धारा 189(2), धारा 189(3) और धारा 189(5) शामिल हैं। -इन प्रावधानों का संबंध अधिकारियों के वैध आदेश की अवहेलना, गलत तरीके से रोकने और गैरकानूनी जमावड़े से जुड़े आरोपों से है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मामले में पुलिसकर्मी ही शिकायतकर्ता थे।-विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद इमरान खान ने सोशल मीडिया पर पुलिस वैन के अंदर से अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा था- लगता है मैं ड्राइव पर जा रहा हूं।-इमरान खान की कजिन जायन मैरी खान ने भी पुलिस वैन के अंदर का एक वीडियो शेयर किया था।

त्योहारों से पूर्व डीएम समीर के निर्देश पर तेज हुई खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, चार नमूने जांच के लिए भेजे

उरई, जालौन और माधौगढ़ क्षेत्र में किराना दुकानों व मिठाई प्रतिष्ठानों की जांच, केला पकाने वाले केंद्रों का भी किया निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व के मद्देनजर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले में छापेमारी अभियान चलाया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. सी.आर. प्रजापति के नेतृत्व में गठित टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जालौन तहसील क्षेत्र के कुठौंद स्थित औरैया रोड पर राठौर किराना, प्रोपराइटर अवतार सिंह के प्रतिष्ठान से साबूदाना का नमूना लिया। मदारीपुर स्थित मां किराना, प्रोपराइटर रामजी पुरवार के प्रतिष्ठान से किशमिश तथा सहाव स्थित गौरी मिष्ठान भंडार, प्रोपराइटर राकेश गुप्ता के प्रतिष्ठान से बेसन के लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया। वहीं, शेखपुर बुजुर्ग स्थित सेंगर फैमिली रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। मौके पर मिली कमियों के दृष्टिगत प्रतिष्ठान संचालक को नोटिस जारी किया गया।

इसी क्रम में माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के रामपुरा स्थित किला रोड पर भैरव मिष्ठान भंडार, विक्रेता नितिन पुरवार के प्रतिष्ठान से बेसन के लड्डू का नमूना लिया गया। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित केला पकाने वाले केंद्रों मेसर्स इंडियन इंटरप्राइजेज, फैक्ट्री एरिया उरई, गौरी ट्रेडिंग कंपनी उरई, डायमंड इंटरप्राइजेज जालौन, राइन ब्रदर्स जालौन तथा बागवान इंटरप्राइजेज जालौन का निरीक्षण किया गया। संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

11 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, चार नमूने जांच को भेजे

विभागीय टीमों ने अभियान के दौरान कुल 11 निरीक्षण किए और चार खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए संबंधित प्रयोगशाला भेजे। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद, कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार एवं अनिल कुमार कटियार शामिल रहे।

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों पर होगी कार्रवाई

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. सी.आर. प्रजापति ने बताया कि जनपदवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित दूध, दुग्ध उत्पाद और अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जा रहे हैं कि खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट न करें और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर को खाद्य सचल प्रयोगशाला के माध्यम से उरई के चुर्खी रोड चौराहे पर आमजन को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लगभग 22 लोगों को खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम और आमजन को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विभाग का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सड़क सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 15 दिन में गड्ढामुक्त हो राष्ट्रीय राजमार्ग-27 - जिलाधिकारी

चौराहों के 50 मीटर दायरे में बैनर-होर्डिंग और ई-रिक्शा पर रोक की तैयारी, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के बावजूद उनकी मरम्मत न किए जाने पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और 15 दिन के भीतर गड्ढों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को पर्याप्त मैनपावर और मशीनरी लगाकर सड़कों के गड्ढों को तत्काल भरवाने तथा मार्गों को यातायात के लिए सुरक्षित एवं सुगम बनाने को कहा।जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर बस, ट्रक, चार पहिया और दो पहिया वाहन चालकों की आंखों की जांच, शुगर टेस्ट सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाएं, ताकि वाहन चालकों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में नियमित रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रॉन्ग साइड वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग करने, नशे की हालत में वाहन चलाने तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग न करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। विद्युत विभाग को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाने, आवश्यकतानुसार नए विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित कराने तथा ट्रांसफार्मरों की जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही, यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अनावश्यक विद्युत पोल और केबल को हटाने के लिए भी कहा। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और यातायात पुलिस को सड़कों एवं चौराहों पर अनावश्यक रूप से लगे बैनर, होर्डिंग और विज्ञापन सामग्री तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चौराहों के 50 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का बैनर या होर्डिंग नहीं लगाया जाए और वहां ई-रिक्शा खड़े न होने दिए जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने शहर की सड़कों पर अनावश्यक रूप से पड़ी बजरी, ईंट, बालू और अन्य निर्माण सामग्री को तत्काल हटवाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी सामग्री से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और यातायात बाधित होता है। संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारी और यातायात निरीक्षक को सड़कवार कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यकता के अनुसार कुछ मार्गों पर ई-रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित किया जाए और संबंधित स्थानों पर स्पष्ट सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएं, ताकि यातायात सुचारु बना रहे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, सीओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच0एन0 प्रसाद, अधिशासी अधिकारी लोक निर्माण विभाग अमित सक्सेना, सुनील कुमार, महेंद्र सिंह, एआरटीओ प्रशासन सौम्या पाण्डेय, प्रवर्तन राजेश कुमार आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।।

साइबर पुलिस का गुड वर्क

साइबर सेल की बड़ी कामयाबी, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के 1.55 लाख रुपये वापस दिलाए

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपदीय साइबर सेल जालौन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए पीड़ित के खाते में पूरी धनराशि वापस कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है।

साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस महानिदेशक साइबर यूपी लखनऊ विनोद कुमार के निर्देशानुसार एवं पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र झांसी आकाश कुलहरि तथा पुलिस अधीक्षक जालौन सुरेश चन्द्र रावत के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी व क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम श्री परमेश्वर प्रसाद के पर्यवेक्षण में प्रभारी जनपदीय साइबर सेल उरई श्री चन्द्रदेव यादव के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। हृष्टत्र्क्कपोर्टल पर प्राप्त शिकायत संख्या - 33110260276261 में आवेदक आकाश गुप्ता पुत्र कृष्ण गोपाल गुप्ता निवासी तुलसी नगर थाना कोतवाली उरई के क्रेडिट कार्ड से 1,55,664 रुपये का फ्रॉड हो गया था। साइबर सेल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक से समन्वय स्थापित कर ई-मेल के माध्यम से सम्पूर्ण धनराशि 1,55,664 रुपये पीड़ित के क्रेडिट कार्ड खाते में वापस कराई। बरामदगी से पीड़ित को बड़ी आर्थिक राहत मिली है।बरामद धनराशि - 1,55,664 रुपये बतायी गयी है,धनराशि वापस कराने वाली टीम में निरीक्षक चन्द्रदेव यादव, प्रभारी जनपदीय साइबर सेल,उपनिरीक्षक अजीत शर्माउपनिरीक्षक जगवीर सिंह, का. आ. ग्रेड बी प्रिन्स त्यागी एवं समस्त जनपदीय साइबर सेल टीम रही।

मिशन शक्ति की प्रेरणादायी पहल, कक्षा सात की छात्रा प्रतीक्षा बनीं एक दिन की प्रतीकात्मक जिलाधिकारी, सुनीं जनसमस्याएं

जिलाधिकारी ने बुके देकर किया स्वागत, अपनी कुर्सी पर बैठाकर बढ़ाया छात्रा का आत्मविश्वास

-प्रतीक्षा ने कहा मेहनत से पढ़ाई कर आईएएस या पीसीएस बनना है सपना

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)।मिशन शक्ति के उद्देश्य को साकार करते हुए छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक सेवाओं के प्रति रुचि बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल देखने को मिली। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मडोरा की कक्षा सात की छात्रा प्रतीक्षा को एक दिन के लिए प्रतीकात्मक जिलाधिकारी बनाया गया। जिलाधिकारी समीर ने स्वयं आगे बढ़कर बुके भेंट कर छात्रा का स्वागत किया और उसे अपनी कुर्सी पर बैठाकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर ने छात्रा के मन में बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के संकल्प को नई ऊर्जा दी। प्रतीकात्मक

जिलाधिकारी के रूप में छात्रा प्रतीक्षा ने जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस पहल के माध्यम से छात्रा को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जनसमस्याओं के समाधान तथा अधिकारियों की जिम्मेदारियों को करीब से समझने का अवसर मिला। यह पहल केवल एक दिन का प्रतीकात्मक अनुभव नहीं, बल्कि बालिकाओं को यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षा और मेहनत के बल पर वे भविष्य में किसी भी उच्च पद तक पहुंच सकती हैं। इस दौरान छात्रा प्रतीक्षा ने उत्साहपूर्वक कहा कि वह मन लगाकर पढ़ाई करेगी और कड़ी मेहनत के दम पर आईएएस या पीसीएस अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा करेगी। उसके इस संकल्प में आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच स्पष्ट दिखाई दी। प्रतीक्षा का सपना उन तमाम छात्राओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद जीवन में कुछ बड़ा करने की आकांक्षा रखती हैं। जिलाधिकारी समीर ने छात्रा की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि प्रतीक्षा बेहद होनहार छात्रा हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि वह आगे चलकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगी और किसी उच्च प्रशासनिक पद पर पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगी। उन्होंने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों को प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन मिले तो वे अपनी क्षमताओं को पहचानकर बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। मिशन शक्ति के तहत इस तरह की पहल का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना, उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना है। प्रतीक्षा को प्रतीकात्मक जिलाधिकारी बनाकर यह संदेश दिया गया कि बेटियां केवल अपने सपने देखने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। बेटियां अवसर मिलने पर नेतृत्व भी कर सकती हैं और समाज व प्रशासन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा सकती हैं। यह पहल जनपद की छात्राओं के लिए प्रेरणा का संदेश है कि लक्ष्य बड़ा हो, संकल्प मजबूत हो और पढ़ाई के प्रति समर्पण बना रहे, तो सफलता की राह अवश्य बनती है। प्रतीक्षा का आईएएस या पीसीएस बनने का सपना आज एक छात्रा का संकल्प है, लेकिन यही संकल्प कल अनेक बेटियों के लिए नई उम्मीद और प्रेरणा बन सकता है।

मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत मेधावी छात्रा बनी एक दिन की पुलिस अधीक्षक

महिला सशक्तिकरण की ओर एक सशक्त कदम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक,सुरेश चन्द्र रावत के निर्देशन में आज एक अनूठी पहल की गई ।

जनपद के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय ग्राम गढर मड़ौरा की कक्षा 07 की मेधावी छात्रा पल्लवी पुत्री सुमित कुमार को एक दिन के लिए सांकेतिक पुलिस अधीक्षक, जालौन बनाया गया ।पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में एसपी द्वारा स्वयं छात्रा को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया । सांकेतिक पुलिस अधीक्षक के रूप में छात्रा द्वारा की गई कार्यवाहियों में जनसुनवाई एवं त्वरित न्याय: पुलिस अधीक्षक कार्यालय में फरियादियों की जनसुनवाई की ।जिसमें फरियादियों की समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल संबंधित को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया ।पुलिस कार्यालयों की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया जिनमे मिशन शक्ति केंद्र, साइबर क्राइम सेल, महिला सम्मान प्रकोष्ठ का गहन निरीक्षण किया। महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर को चेक किया एवं पीड़िताओं से वार्ता का तरीका सीखा। इस अवसर पर सांकेतिक एसपी बनी छात्रा ने भावुक होते हुए कहा - 'आज मुझे एहसास हुआ कि पुलिस की नौकरी कितनी जिम्मेदारी भरी है । मिशन शक्ति ने हम जैसी गांव की लड़कियों को सपने देखने की हिम्मत दी है। मैं भी पढ़-लिखकर वकील बनना चाहती हूं।' पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 'हमारा उद्देश्य सिर्फ एक दिन का पद देना नहीं, बल्कि बेटियों के अंदर की छिपी नेतृत्व क्षमता को बाहर लाना है। जब एक बेटी वर्दी पहनती है तो हजारों बेटियां प्रेरित होती हैं।' इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ0 ईशान सोनी, क्षेत्राधिकारी कार्यालय श्री सदानन्द सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अब गांवों में लगेगी राजस्व अदालत, किसानों को तहसील के चक्कर से मिलेगी राहत

-दीपावली पर गांव आने वाले परिजनों की मदद से आपसी सहमति के आधार पर निपटाए जाएंगे भूमि विवाद
-उप जिलाधिकारी (न्यायिक) रिंकू सिंह राही की पहल क्रासर-निर्विवाद राजस्व मामलों का 15 दिन में निस्तारण करने की मंशा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। छोटे-छोटे राजस्व विवादों के निस्तारण के लिए अब किसानों को बार-बार तहसील मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उपजिलाधिकारी (न्यायिक) रिंकू सिंह राही ने राजस्व विवादों के त्वरित, पारदर्शी और नियमानुसार समाधान के लिए गांवों में शिविर न्यायालय आयोजित करने की पहल की है। इन शिविरों के माध्यम से आपसी सहमति अथवा सरल कानूनी प्रक्रिया से सुलझाए जा सकने वाले राजस्व मामलों का निस्तारण किया जाएगा। शासन की मंशा के अनुरूप निर्विवाद राजस्व मामलों का 15 दिनों में समाधान करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उपजिलाधिकारी (न्यायिक) ने बताया कि दीपावली पर्व पर बाहर रहने वाले परिवार के सदस्य भी अपने गांव लौटेंगे। ऐसे में पारिवारिक भूमि से जुड़े निर्विवाद मामलों को आपसी सहमति से सुलझाने का बेहतर अवसर मिलेगा। शिविर न्यायालयों के माध्यम से ग्रामीणों को राजस्व मामलों की प्रक्रिया, उनके अधिकारों और समाधान के कानूनी तरीकों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्सर किसानों को छोटे-छोटे भूमि विवादों के लिए खेती-किसानी और मजदूरी छोड़कर तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई मामले 15 से 20 वर्ष या उससे भी अधिक समय तक चलते रहते हैं। इससे किसानों का समय, पैसा और श्रम बर्बाद होता है। साथ ही भाई-भाई और पड़ोसियों के बीच भी संबंध खराब हो जाते हैं। इस पहल का उद्देश्य न्यायालय को किसानों के द्वार तक पहुंचाकर उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से राहत दिलाना है।

पैमाइश, बंटवारे और खतौनी की त्रुटियों का होगा समाधान

शिविर न्यायालयों में मुख्य रूप से भूमि की पैमाइश एवं हदबंदी, कुर्रा बंटवारा तथा राजस्व अभिलेखों में त्रुटियों और छूटी हुई प्रविष्टियों के सुधार से जुड़े मामलों पर ध्यान दिया जाएगा। नियमानुसार जिन मामलों का समाधान आपसी सहमति से अथवा सरल प्रक्रिया के माध्यम से संभव है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। पैमाइश के मामलों में किसानों को गाटों की भुजाओं की लंबाई और नक्शे में दर्ज स्थायी पहचान बिंदुओं से दूरी की जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसान अपने खेत की लंबाई-चौड़ाई और सीमाओं को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। खेत की सीमाओं की जानकारी स्पष्ट होने से अनजाने में होने वाली गलतियों और आपसी विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि, केवल खतौनी और नक्शे में दर्ज रकबे का मिलान हो जाने से वास्तविक कब्जे अथवा मालिकाना हक की स्वत: पुष्टि नहीं मानी जाएगी। स्वत्व संबंधी विवादों का निस्तारण संबंधित वैधानिक प्रक्रिया के तहत ही होगा।

सहमति से होगा कुर्रा बंटवारा

कुर्रा बंटवारे के मामलों में भूमि के हिस्सों का निर्धारण और उसके अनुसार संबंधित काश्तकारों को जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके लिए खतौनी में दर्ज अंश का निर्विवाद एवं दस्तावेजों से पुष्ट होना आवश्यक होगा। जहां जरूरत होगी, वहां वंशावली और भूमि के हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेज एवं साक्ष्य भी मांगे जाएंगे। बंटवारे के दौरान सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखते हुए सड़क तक पहुंच, सिंचाई के साधन, भूमि की उपजाऊ क्षमता और मूल्य में समानता जैसे पहलुओं पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। केवल आपसी सहमति के आधार पर ऐसा विभाजन स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे किसी पक्ष के साथ अन्याय होने की आशंका हो।

खतौनी की गलतियों में सुधार पर भी जोर

राजस्व अभिलेखों में दर्ज अंश की त्रुटियों और छूटी हुई प्रविष्टियों के सुधार के लिए भी पहल की जा रही है। दस्तावेजों से प्रमाणित और निर्विवाद मामलों में नियमानुसार संशोधन कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 38 के तहत नक्शा, खसरा और खतौनी की त्रुटियों के सुधार की व्यवस्था है। हालांकि, शिविर न्यायालयों में दस्तावेजों के आधार पर समाधान योग्य मामलों को ही लिया जाएगा और अन्य विवादों का निस्तारण निर्धारित कानूनी प्रक्रिया से होगा।

ग्राम पंचायत सहायक और लेखपाल के माध्यम से भी कर सकेंगे आवेदन

राजस्व विवादों के समाधान के इच्छुक किसान ग्राम पंचायत सहायक, संबंधित लेखपाल अथवा न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक), उरई में सीधे आवेदन देकर अपना प्रकरण प्रस्तुत कर सकते हैं। उपलब्ध अन्य माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए भी आवेदन एवं जानकारी साझा की जा सकेगी। आवेदन में किसान को अपना नाम, गांव, गाटा संख्या, वाद का प्रकार, संबंधित पक्षकारों का विवरण और विवाद की प्रकृति स्पष्ट करनी होगी। जहां संभव हो, खतौनी, नक्शा, बैनामा, विरासत संबंधी अभिलेख और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज भी उपलब्ध कराने होंगे। प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच के बाद संबंधित ग्राम पंचायत भवनों में शिविर न्यायालय आयोजित करने की तिथि और स्थान घोषित किए जाएंगे। इसकी जानकारी सोशल मीडिया एवं अन्य प्रचार माध्यमों से दी जाएगी। जिन मामलों में विस्तृत सुनवाई या साक्ष्यों की जांच आवश्यक होगी, उनका निस्तारण तहसील मुख्यालय स्थित सक्षम राजस्व न्यायालय में सामान्य प्रक्रिया के तहत किया जाएगा।

किसानों से सहयोग की अपील

उपजिलाधिकारी (न्यायिक) रिंकू सिंह राही ने किसानों से अपील की है कि वे अपने भूमि संबंधी विवादों के समाधान के लिए आगे आएं और उपलब्ध अभिलेखों एवं तथ्यों के साथ आवेदन प्रस्तुत करें। जहां संभव हो, आपसी सहमति से न्यायसंगत समाधान का प्रयास करें। दीपावली पर गांव आने वाले परिजन भी पारिवारिक भूमि से जुड़े निर्विवाद मामलों के निस्तारण में सहयोग करें। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और गांवों के युवाओं से भी इस पहल के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। इस पहल का लक्ष्य केवल राजस्व वादों का निस्तारण करना ही नहीं, बल्कि किसानों को भूमि संबंधी अभिलेखों और पैमाइश की प्रक्रिया के प्रति जागरूक बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर करना भी है।

मारीच वध मेले के लिए तैयार हो रहा मेला ग्राउंड, पालिकाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक तैयारियों में जुटा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित नगर की ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध रामलीला के दूसरे मैदानी आयोजन मारीच वध मेले को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। 16 अक्टूबर शुक्रवार को होने वाली इस लीला में मारीच वध सीता हरण और रावण जटायु युद्ध जैसे प्रसंगों का मंचन होगा। मेला ग्राउंड गढी के मैदान में लगी दुकानें हटवाई जा चुकी हैं और पालिका के सफाई कर्मियों की पूरी दलेल मैदान की टीप टाप एवं साफ सफाई में जुटी है। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने भी ग्राउंड का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।वही पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा के दृष्टिगत व्यापक तैयारियों में जुटा है।

भगतसिंह नगर स्थित गढी के मैदान में 16 अक्टूबर को शाम तीन बजे से शुरू होने वाले मेले में किसी भी प्रकार का व्यवधान न आए इसके लिए पिछले कई दिनों से व्यापक पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेला ग्राउंड में रखी दुकानों को पालिका ने पुलिस के सहयोग से हटवा दिया है ताकि मारीच वध के मंचन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।एसडीएम अभिनव कुमार भी व्यवस्थाओं पर नजर रखे हुए हैं ताकि मेला सकुशल संपन्न हो सके। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजीव पटेल व मंत्री शैलेष सोनी ने बताया है कि मारीच वध मेले में दूर दूर से लोग मेले का आनंद लेने आते हैं। यह मेला मुस्लिम बहुल इलाके में होता है जिसमें मुस्लिम समाज के लोग बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। इसमें लक्ष्मण द्वारा सूर्पणखा की नाक काटना, राम का स्वर्णमृग के आखेट के लिए जाना, सीता का रावण द्वारा अपहरण और जटायु का रावण से युद्ध जैसे प्रसंग मेले के रूप में दर्शाए जाते हैं। मारीच वध मेला निगरानी समिति के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन एवं मंत्री तरुण निरंजन ने बताया कि ग्राउंड में व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है, जहां भी कमी दिखती है उससे रामलीला समिति को अवगत करा दिया जाता है ताकि समय रहते सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हो सकें। इधर, सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने जिले से और फोर्स मांगा है, सीओ परमेश्वर प्रसाद और प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं और यातायात का दबाव रोकने के लिए डायवर्सन बनाए जा रहे हैं।अतरिक्त निरीक्षक कामता प्रसाद गौतम ने पुलिस बल के साथ मेला ग्राउंड का निरीक्षण कर रामलीला से जुड़े लोगो से जानकारी ली।इस मौके पर धर्मदा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता भोले,अभिनय विभाग के अध्यक्ष पुरूषोत्तम दास रिछारिया,संरक्षक सदस्य संजय सोनी,मेला निगरानी समिति के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन,मंत्री तरुण निरंजन आदि मौजूद रहे।

खेत पर काम करने गए किसान को बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

-दबंगों की दबंगई से भयभीत किसान ने जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

-पुलिस पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम पजोनिया निवासी हरविजय सिंह पुत्र हरवंश सिंह ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर गांव के ही कुछ लोगों पर गाली-गलौज करने, बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी देने और खेत से भगा देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले में निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में हरविजय सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने खेत पर जा रहे थे। खेत में धान की फसल खड़ी थी और वहां से गायों को हटाया जा रहा था। इसी दौरान परिवार के हरवेन्द्र सिंह और उनके छोटे भाई हेमेन्द्र सिंह कथित तौर पर बंदूक लेकर आ गए। आरोप है कि उन्होंने बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और गाली-गलौज करते हुए कहा कि यदि यहां दिखाई दिए तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। इससे भयभीत होकर पीड़ित खेत से चला गया। पीड़ित का आरोप है कि उसने घटना की जानकारी हल्का इंचार्ज को दी, लेकिन आरोपियों ने कथित रूप से उन्हें भी अपनी तरफ कर लिया और धमकाकर वहां से भगा दिया। पीड़ित ने शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया कि आरोपितों का थाने में प्रभाव होने के कारण उसकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हो रही है। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि 16 फरवरी 2026 को उसके छोटे भाई सुमित सिंह और संजय के नाम से कथित रूप से फर्जी एफआईआर दर्ज कराई गई थी, जिसके चलते उसके भाई को जेल जाना पड़ा। पीड़ित का कहना है कि वह इस मामले में कई बार प्रार्थना पत्र दे चुका है, लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ड्रग इंस्पेक्टर ने दवाइयों के चार सेम्पल भरे

(यंग भारत न्यूज)

कालपी । गुरुवार के दिन ड्रग इंस्पेक्टर नगर आने पर मेडिकल की दुकानों में भनक लगी दुकानदार अपनी -अपनी मेडिकल की दुकान शटर लगाकर रफू चक्कर हुए फिर भी एक मेडिकल स्टोर से दवाइयां के चार नमूने लिए गए नगर में चैकिंग अभियान से मेडिकल विक्रेताओं के बीच हड़कंप मच गया गुरुवार के दिन ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान जैसे ही नगर में आकर चैकिंग अभियान चलते हुए भ्रमण किया तो बाजार में एक भी दुकान खुली नहीं पाई गई वह भ्रमण करती हुई गणेशगंज स्थित एक मेडिकल की दुकान में पहुंचकर डोर टू डोर चैकिंग की चैकिंग दौरान सभी दवाइयां तथा रखरखाव सही पाया गया फिर भी उक्त दुकान से चार दवाइयां के सैंपल लेकर जांच हेतु कार्यवाही अमन में लाई गई है।

जिले में सर्प काटने की हो रहीं हैं ताबड़तोड़ घटनाएं

सर्प काटने से युवक अचेत, कई की सर्पदंश से हो चुकी है मौत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 15 अक्टूबर 23 वर्षीय देवेंद्र पुत्र गौरी शंकर निवासी जनपद कानपुर देहात ग्राम डिलौली बुधवार की शाम को जहरीले सर्प ने काट कर युवक को बेहोश किया घर पर मौजूद परिजनो ने आनंन फानन घर से युवक को बेहोशी हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशाल सचान ने मरीज की जांच की गंभीर स्थिति पर प्राथमिकी उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

रामलीला में भरत मिलाप की लीला का हुआ भव्य मंचन

(यंग भारत न्यूज)

उरई/कोटरा। कोटरा कस्बे के श्री बिहारी जी मंदिर पर आयोजित दशहरा पर्व की रामलीला में भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया रामलीला की प्रथम आरती समाज सेवी बाबूलाल स्वर्णकार द्वारा उतारी गई इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भगवान राम जन-जन के प्राण आधार है जहां रामलीला से हमें धर्म के आधार पर जीवन जीने की कला की प्रेरणा मिलती है वही भगवान के बताएं रास्ते पर चलकर व्यक्ति निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है रामलीला में राम के वियोग में चक्रवर्ती अयोध्या नरेश दशरथ के निधन के पश्चात गुरु वशिष्ठ द्वारा ननिहाल से भरत, शत्रुघ्न को बुलाने के उपरांत राजा दशरथ की अंत्येष्टि के बाद भरत, शत्रुघ्न भगवान राम को वापिस अयोध्या आने के लिए चित्रकूट जाना भगवान राम से आप वापसी अयोध्या चलने का आग्रह करना भगवान राम के ना आने पर उनकी खड़ाऊं लाकर अयोध्या वापस आने तक की लीला का मंचन किया गया रामलीला में भारत अभिनेता राम सरस सरल के सुंदर अभिनय की उपस्थिति जल समूह द्वारा खूब प्रशंसा की गई रामलीला में राम अभिनेता धर्मेंद्र तोमर झांसी, कौशल्या अभिनेता मंदाकिनी भिंड, वशिष्ठ अभिनेता पप्पू महाराज सोमई के अच्छे अभिनय की उपस्थित जनों द्वारा खूब प्रशंसा की गई। रामलीला मंच संचालन अनूप लहरिया एवं महेंद्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर छत्रसाल नायक, चर्न्दशील बुधौलिया, उमाकांत व्यास, सुखबीर परिहार, हरीश सर्राफ, ज्ञान सिंह राजावत आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

जवारे बोने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी के साथ मारपीट की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। जवारे बोने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने पड़ोसी के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सालाबाद निवासी रमेशचंद्र कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोसी धर्मेंद्र सिंह घर के बाहर जवारे बोने को लेकर विवाद कर रहे थे। जब उसने समझाना चाहा तो उन्होंने गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उन्होंने मारपीट कर धमकाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

कदौरा पुलिस ने अवैध असलहा-कारतूस व चाकू सहित 2 अभियुक्त किये गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर अनुपम कुलश्रेष्ठ एवं पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र झांसी आकाश कुलहरि के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक जालौन सुरेश चन्द्र रावत के कुशल पर्यवेक्षण व अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के नेतृत्व में थाना कदौरा पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। थाना कदौरा पुलिस टीम ने 2 अभियुक्तों को 01 अदद तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिन्दा कारतूस व 01 अदद चाकू के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की।

पुलिस ने 01 अभियुक्त आसिफ उर्फ बबलू को 01 अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया। जिसके विरुद्ध थाना कदौरा पर मु0अ0सं0 148/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। वहीं दूसरे अभियुक्त चुनई उर्फ जान मुहम्मद को 01 अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध थाना कदौरा पर मु0अ0सं0 149/2026 धारा 4/25 आयुध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम आसिफ उर्फ बबलू पुत्र अल्लारख्खू निवासी मो. इस्लामाबाद कस्बा व थाना कदौरा जनपद जालौन व चुनई उर्फ जान मुहम्मद पुत्र टिटी कुरैशी निवासी मो. ईदगाह कस्बा व थाना कदौरा जनपद जालौन बताया गया है पुलिस ने इन के कब्जे से 01 अदद तमंचा व 02 अदद कारतूस 315 बोर 01 अदद चाकू बरामद किया अपराधिक इतिहास अभियुक्त आसिफ उर्फ बबलू पर 9 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, गुण्डा अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर मामले थाना कदौरा, कोतवाली उरई व थाना आटा में दर्ज हैं। अभियुक्त चुनई उर्फ जान मुहम्मद पर 4 मुकदमे थाना कदौरा में दर्ज हैं।गिरफ्तार करने वाली टीम का नेतृत्व थाना अध्यक्ष कदौरा ने किया।

रामपुरा में थाना पुलिस कमजोर, चोर हो गए हैं मुस्तैद

रामपुरा में चोरों का धावा, दो कमरों की कुंडी लगाकर ढाई लाख नकद व जेवरात किये पार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। रामपुरा थाना क्षेत्र के धरमपुरा जागीर गांव में बुधवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब ढाई लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के कीमती जेवरात चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार, धरमपुरा जागीर निवासी रामरूप राठौर के घर में रामरूप, उनकी पत्नी ऊषा, हनुमंत सिंह और उनकी पत्नी खुशबू रहते हैं। बीती रात परिवार के सदस्य अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने दो कमरों की बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे अंदर सो रहे लोग बाहर नहीं निकल सके और तीसरे कमरे – जो घर के मंदिर के बगल में था – में रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे जब परिवार के लोग सोकर उठे तो सामान बिखरा हुआ देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों के मुताबिक चोरी गए सामान में चार पुरुषों और चार महिलाओं की कुल आठ अंगूठियां, मनचली, तोड़िया, बिछिया सहित सोने-चांदी के अन्य आभूषण और करीब ढाई लाख रुपये नकद शामिल हैं। चोरी गए सामान की कुल कीमत का आंकलन अभी नहीं हो सका है। बताया गया कि हनुमंत सिंह के बेटे सुमित का बीती रात ही पहला जन्मदिन मनाया गया था। घर में उत्सव और खुशियों का माहौल था, लेकिन इसी रात हुई चोरी ने परिवार को परेशान कर दिया। परिजनों ने बताया कि उन्होंने करीब 20 दिन पहले ही मकान बेचा था, इसलिए घर में रखी नकदी और जेवरात चोरी होने से भारी नुकसान हुआ है। इस संबंध में रामपुरा थाना प्रभारी केपी सरोज का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

सरकारी हैंडपंप पर लोग दिखा रहे है दबंगई, पानी भरने को लेकर हुई मारपीट, तीन महिलाए समेत पांच घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोच सर्किल के कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेड़ा में बुधवार देर रात सरकारी हैंडपंप से पानी भरने को लेकर दो पक्षों जमकर विवाद हो गया। पहले महिलाओं के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। घटना में तीन महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा और मामले की जांच शुरू की।जानकारी के अनुसार, ग्राम बेड़ा में घर के बाहर लगे सरकारी हैंडपंप से पानी भरने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ बताया जा रहा है कि शुरुआत में दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच कहासुनी हुई। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसके बाद दोनों ओर से मारपीट होने लगी। घटना में तीन महिलाएं और दो पुरुष घायल हो गए। मारपीट के बाद गांव में हलचल मच गई।घटना के बाद दोनों पक्षों ने कैलिया थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। दोनों पक्षों ने अलग-अलग शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रथम पक्ष की ओर से करन सिंह ने पुलिस को तहरीर दी, जबकि दूसरे पक्ष की ओर से कलावती ने शिकायत दर्ज कराई है।पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजने के साथ ही दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। कैलिया थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वांछित अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तार करें, अपराधियों के विरुद्ध पुलिस अपनाए सख्त रवैया- एसपी

कैलिया थाने का एसपी ने किया देर रात औचक निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत बीती देर रात अचानक कैलिया थाने में पहुंचे तथा थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों एवं विवेचनाओं का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण करने एवं वांछित अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा, काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने थाना कैलिया का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए कार्यालय, मालखाना, हवालात, मिशन शक्ति केंद्र, महिला/साइबर हेल्प डेस्क की व्यवस्था देखी। उन्होंने कार्यालय के अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, एचएस इंडेक्स, आगंतुक रजिस्टर आदि का अवलोकन किया। थाना परिसर में साफ सफाई व्यवस्था से लेकर अभिलेखों के बेहतर और पूर्ण रखरखाव के उन्होंने निर्देश दिए। लंबित प्रकरणों एवं विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि विवेचनाओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर वांछित अभियुक्तों की त्वरित गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। महिलाओं से जुड़ी घटनाओं पर गंभीर रहें, छोटी से छोटी घटना को गंभीरता से लें। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि जनता से मित्रवत व्यवहार रखें उनकी समस्या पर सहायता प्रदान करें। इस दौरान सीओ परमेश्वर प्रसाद, थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा।

सपा कार्यालय में मनाई गई पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती

सपाजनों उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय इकलासपुरा रोड उरई में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती सपा जिला महासचिव जमालुद्दीन पप्पू की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

इस दौरान वक्ताओं ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन, उनके संघर्ष, सादगी, वैज्ञानिक योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने विचारों और कार्यों से देश के युवाओं को बड़े सपने देखने तथा उन्हें साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में मौजूद सपाइयों ने संकल्प लिया कि वे डॉ. कलाम के बताए रास्ते पर चलते हुए समाज और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान देंगे तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाएंगे।सिद्धार्थ गिरथान प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी एससी-एसटी प्रकोष्ठ, अमित अहिरवार नरछा, लाखन सिंह कुशवाहा, विवेक यादव, बृजमोहन अहिरवार उर्फ बबलू नरछा, महेश विश्वकर्मा सहित आदि सपाजन मौजूद रहे।

समस्त बीएलओ अभियान तहत 17 व 24 तिथि पर बूथ में कैंप लगाकर मतदाता बनाए-श्रीश कुमार मिश्रा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 15 अक्टूबर नायब तहसीलदार की उपस्थिति में तहसीलदार की अध्यक्षता तथा लिपिक सुपरवाइजर बीएलओ की मौजूदगी में तहसील कालपी मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम दो सिफ्टो में अलग-अलग संपादित किया गया।

गुरुवार के दिन तहसील कालपी सभागार आयोजित मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा ने मौजूद सुपरवाइजर एवं बीएलओ से कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश पर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत 17 अक्टूबर तथा 24 अक्टूबर को संबंधित बूथ पर पहुंचने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी के नाम यदि कट गए हैं तथा पृथक हो गए हैं ऐसे मतदाताओं के साक्ष्य सहित फॉर्म नंबर 6 भर कर मतदाता सूची में अंकित करने के निर्देश दिए तथा उन्होंने कहा कि जिन लोगों की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है ऐसे नए मतदाताओं को फॉर्म भरकर नए मतदाता बना कर मतदाता सूची में सम्मिलित करने के निर्देश दिए इस कार्यक्रम को सभी बीएलओ जी जान से जुट कर अभियान के तहत अपने कार्यों के प्रति सदैव अग्रसर रहकर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए इतना भी नहीं उन्होंने मौजूद कर्मचारियों को मतदाता पुनरीक्षण के संबंध में बिंदुवार जानकारी देकर जमकर जागरूक किया नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला ने मौजूद कर्मचारी को इस संबंध में भरपूर जानकारी देकर अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए मौके में नायब तहसीलदार मुकेश कुमार प्रगणक अधिकारी शशांक कुमार सुपरवाइजर कुंवर पाल कमलेश कुमार तथा बीएलओ में अमित सुनीता विनीता रजनी विपिन राम प्रकाश हरि शरण उमेश नरायण दुबे संजय शुक्ला शिक्षक खालिक खान आदि लोग उपस्थित थे।

बद्री प्रसाद स्मृति महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच महेशपुरा रोड स्थित सेठ बद्री प्रसाद स्मृति महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन एवं सेवा भावना पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली काजल राठौर ने अपने भाषण में कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा देश की ऊर्जा और शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें। उन्होंने नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। काजल ने युवाओं से अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए देश

को आगे बढ़ाने में योगदान देने का आह्वान किया द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली चंचल पाल ने कहा कि एक मजबूत राष्ट्र की नींव जागरूक और जिम्मेदार युवाओं से तैयार होती है। उन्होंने शिक्षा को युवाओं के सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग देश और समाज के हित में करें। उन्होंने महिला सम्मान, सामाजिक समानता एवं सेवा भावना को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही युवाओं से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और समाज में बदलाव का माध्यम बनने का आह्वान किया तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जाहिद ने अपने भाषण में कहा कि राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नागरिकों के अच्छे संस्कार और जिम्मेदार व्यवहार से भी होती है। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, ईमानदारी और मेहनत को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा अपने कर्तव्यों को समझकर समाज की सेवा करे, तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने एकता, भाईचारे और देशहित की भावना को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।कार्यक्रम के अंत में कोऑर्डिनेटर कन्हैया नीखर ने सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।कार्यक्रम में फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पटेल, डॉ. सत्य प्रताप, तैयबा सिद्दीकी, नर्सिंग विभाग से प्रधानाचार्य राम दवाकर, राहुल तिवारी, जया सरोज, हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आर.डी. सिंह, डॉ. शिवम सिंह, आईटीआई विभाग से इंजीनियर संतोष रायकर सहित महाविद्यालय परिवार के राधेश्याम पटेल, धर्मेंद्र पटेल, राजवेंद्र पटेल, मनोज श्रीवास्तव (प्रवेश प्रभारी), दिनेश बाबू, विवेक बाबू सहित बडी संख्या मे शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

60 वर्ष से अधिक आयु के बंदियों की रिहाई के लिए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 60 वर्ष से अधिक आयु के बंदियों की रिहाई के लिए नगर के लोगों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। नगर के अशफाक राईन, जाकिर सिद्दीकी, बृजमोहन कुशवाहा, शौकीन, अशोक चौधरी, अकरम, राशिद, सद्दाम आदि ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार अभिनव तिवारी को सौंपकर बताया कि जेलों में बड़ी संख्या में ऐसे कैदी हैं जिनके लिए कोई जमानतदार नहीं हैं। वर्षों से वह रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे बुजुर्ग कैदियो की भी बड़ी संख्या है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि मानवीय आधार पर जिन बुजुर्ग कैदियों का जेल में रिकॉर्ड अच्छा है और जिनकी कोई पैरवी करने वाला नहीं है। ऐसे बुजुर्ग कैदियों को गणतंत्र दिवस के आवसर रिहा कराया जाए।

राजस्व विभाग की टीम ने कृषि भूमि की पैमाइश कराकर महिला किसान को कब्जा दिलाया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। राजस्व विभाग की टीम ने कृषि भूमि की पैमाइश कराकर महिला किसान को कब्जा दिला दिया था। अतिवृष्टि से फसल नष्ट होने पर गांव के दो लोगों ने जबरन खेत में फसल बो दी। पीड़ित महिला किसान की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भिटारा निवासी गायत्री देवी ने पुलिस को बताया कि उनके व बेटे अजय तिवारी के नाम मौजा वीरपुरा आराजी संख्या 280 में कृषि भूमि स्थित है। बंटवारे का दाखिला होने के बाद बीती 12 जून 2026 को राजस्व निरीक्षक आशुतोष श्रीवास्तव, लेखपाल राजमित्रा व आकाश तिवारी और पुलिस बल की टीम ने इस भूमि की पैमाइश कर उसे कब्जा दखल दे दिया था। कब्जा प्राप्त करने के बाद उसने मेड़बंदी कर जुताई की और तिल की फसल बोई थी, जो अधिक वर्षा के कारण नष्ट हो गई थी। पीड़िता का आरोप है कि वीरपुरा निवासी राजेश्वर दयाल व सर्वेश कुमार बीती 10 अक्टूबर की सुबह करीब उसके खेत पर पहुंच गए। दोनों ने कृषि भूमि पर जबरन जुताई कर फसल बो दी। मना करने पर झगड़ा करने लगे और जान से मारने की धमकी देने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग आ गए। जिन्होंने उसे बचाया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम घमूरी के पास गुरुवार को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार 55 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल को परिजनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम पीपरी कला निवासी पंचम सिंह कुशवाहा उम्र 55 वर्ष गुरुवार को अपनी साइकिल से कोंच बाजार आ रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ग्राम घमूरी के पास सामने से तेज गति से आ रही बाइक सवार ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि पंचम सिंह साइकिल से उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों की मदद से उन्हें उपचार के लिए सीएचसी की मदद से लाया गया।जहां चिकित्सकों ने तत्काल उनका प्राथमिक उपचार किया।सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. रामकरन गौर ने बताया कि घायल पंचम सिंह के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया गया।

भरत मिलाप का मंचन देख दर्शक हुए भावविभोर, राम-भरत संवाद से ढब ढबा गयी आंखें

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के ऐतिहासिक श्रीरामलीला महोत्सव के 174 वें आयोजन में राम-भरत मिलाप लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से भगवान श्रीराम और भरत के अटूट प्रेम, त्याग और भाईचारे का ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। लीला के दौरान राम-भरत के संवाद सुनकर उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं।मंचन के प्रथम दृश्य में जब भरत को पता चलता है कि उनके बड़े भाई श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिला है, तो वह व्याकुल हो उठते हैं। वह श्रीराम से मिलने के लिए निकल पड़ते हैं। दूसरी ओर श्रीराम वन में तपस्या कर रहे भक्तों और मुनियों से मिलते हुए पंचवटी पहुंचते हैं, जहां उनकी भेंट भरत से होती है। भरत श्रीराम से अयोध्या लौटकर राजकाज संभालने का आग्रह करते हैं, लेकिन श्रीराम पिता के वचन का पालन करने की बात कहते हुए वापस जाने से इनकार कर देते हैं। वह भरत को अयोध्या लौटकर राजगद्दी संभालने के लिए कहते हैं इसके बाद भरत श्रीराम की चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौट जाते हैं। 'राम भक्त ले चला रे राम की निशानी' इस भावुक प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। हास्य कलाकारों ने भी अपने अभिनय से लीला में मनोरंजन का रंग भर दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पंचवटी विश्राम की लीला का मंचन किया गया। रामलीला में वशिष्ठ की भूमिका संतोष त्रिपाठी, जनक की भूमिका प्रमोद विदुआ, कैकेयी की भूमिका विनीत मिश्रा, कौशल्या की भूमिका सूरज शर्मा, सुमित्रा की भूमिका नमन चतुर्वेदी, इंद्र की भूमिका जवाहर अग्रवाल, निषादराज की भूमिका साकेत सोनी,बूढ़े निशाद की भूमिका शिवकुमार गुप्ता देवगांव वाले, सुमंत की भूमिका लक्की दुबे, सेनापति की भूमिका निखिल सोनी और भरत की भूमिका ब्रजेश शर्मा ने निभाई। सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों की खूब वाह वाही लूटी।

तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, चार मुकदमे पहले से दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कैलिया थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक अभियुक्त को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार, थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल के नेतृत्व में उप निरीक्षक राजकुमार निगम और कमलेश कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मंगरा गांव की पुलिया के पास एक संदिग्ध व्यक्ति जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।पकड़े गए अभियुक्त की पहचान अभय कुमार पुत्र अरुण कुमार निवासी ग्राम रिगवारा खुर्द, थाना जरिया, जिला हमीरपुर के रूप में हुई। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पहले से भी विभिन्न थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। इनमें जनपद जालौन के थाना आटा में धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट और उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से संबंधित मामले शामिल हैं। इसके अलावा जनपद हमीरपुर के थाना जरिया में मारपीट का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान यह गिरफ्तारी की गई।

तहसीलदार ने बीएलओ के साथ बैठक कर दिए निर्देश

-मतदाता सूची सत्यापन के लिए 16 अक्टूबर से घर-घर पहुंचेगा प्रशासन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को तहसीलदार मनोज कुमार ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात बूथ लेवल अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने मतदाता सूची के सत्यापन, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और सूची में दर्ज त्रुटियों को दूर करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर से घर-घर जाकर मतदाता सूची के सत्यापन का अभियान शुरू किया जाएगा, जो एक माह तक चलेगा।तहसीलदार ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। इसके लिए सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे। अभियान के दौरान पात्र युवाओं और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूट गए अन्य नागरिकों की पहचान कर उनके नाम शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। साथ ही नाम, पता और अन्य विवरणों में त्रुटि मिलने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ काम करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके अलावा मृतक मतदाताओं तथा अन्य अपात्र प्रविष्टियों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिससे मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाया जा सके।बैठक में मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न प्रपत्रों की जानकारी भी दी गई। तहसीलदार ने बताया कि नए मतदाताओं का नाम दर्ज कराने के लिए फार्म संख्या-6, नियमानुसार नाम हटाने के लिए फार्म संख्या-7 और मतदाता सूची में नाम, पता सहित अन्य विवरणों में संशोधन कराने के लिए फार्म संख्या-8 का उपयोग किया जाएगा।उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 289 बीएलओ और 25 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। सभी को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बीएलओ अंचल गोस्वामी, अमित गर्ग, अरशद अहमद, रुचिर नायक, कमलेश कुमार, माता प्रसाद, शहजाद, आशीष साहू, रोहित अग्रवाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

नवरात्रि मे गरबा-डांडिया पर झूमे नन्हे मुन्हे बच्चे

बच्चो की रंगारंग प्रस्तुतियो ने सभी का मन मोह लिया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में भुजरयां चौराहा स्थित विद्यालय में गुरुवार सुबह शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर गरबा एवं डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने गरबा और डांडिया की धुनों पर शानदार प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेश्वरी यादव, कार्यक्रम अध्यक्ष वायुटीसियन अंशु सोनी तथा विशिष्ट अतिथि नीलम पाटकार, झलक दीक्षित, पायल गौतम एवं श्रद्धा कुशवाहा ने विद्यालय प्रबंधक जीतू पाटकार और कोऑर्डिनेटर साधना सोनी की उपस्थिति में मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ।बच्चों ने गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी मनमोहक अदाओं, तालमेल और उत्साह ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों और अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की। इस आयोजन ने बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर भी प्रदान किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक जीतू पाटकार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने के लिए विद्यालय में आगे भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।कार्यक्रम को सफल बनाने में राज, महक, अंजलि, दीक्षा, जिया, आशी, ललिता, नैन्सी, शैलजा सहित समस्त विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंदिरों व पंडालो में बज रहे मां के गीतों व जयकारों से नगर का माहौल हुआ भक्तिमय

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। शारदीय नवरात्र के पांचवे दिन मंदिरों में बज रहे मां के गीतों व जयकारों से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में सजे 63 दुर्गा पंडालों एवं देवी मंदिरों पर मां के पांचवे स्वरूप 'स्कंदमाता' की पूजा अर्चना की गई।

नवरात्र को लेकर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पूजा अर्चना का दौर चल रहा है। पांचवे दिन देवी माता के पांचवे स्वरूप स्कंदमाता की पूजा अर्चना के लिए सुबह से ही भक्त मंदिरों में पहुंचने लगे। पंचमी के मौके पर मंदिरों व पंडालों को आकर्षित करने के लिए विशेष रूप से सजाया गया और मां श्रृंगार किया गया। झांकी देखने आए भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। दुर्गा पंडालों और देवी मंदिरों पर बज रहे भक्तिगीतों और माता के जयकारों से पूरा नगर मां की भक्ति में डूबा नजर आया। नगर के प्राचीन बड़ी माता मंदिर, छोटी माता मंदिर, संतोषी माता, छठी माता मंदिर समेत कामाक्षा देवी, समेत हरीपुरा, कुंअरपुरा, उरगांव, औरेखी, सहाव, सुढ़ार, लहचूरा, सिकरीराजा, लौना, छानी, भदवां आदि में स्थित देवी मंदिरों पर देवी मां के पांचवे स्वरूप के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। पंडित अरविंद बाजपेई ने बताया कि मां स्कंदमाता कमल पर विराजमान रहती हैं। मां की गोद में छह मुख वाले स्कंद कुमार विराजमान रहते हैं। मां स्कंदमाता की पूजा करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और शत्रुओं का विनाश होता है।

पुलिस ने पत्नी से मारपीट के आरोपी पति के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पत्नी के साथ मारपीट किए जाने की शिकायत पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सालाबाद निवासी रूबीना ने पुलिस को बताया कि उसका पति सलमान आए दिन घर में विवाद करता है। आए दिन घर में होने वाले झगड़ों का असर बच्चों पर भी पड़ रहा है। आरोप लगाया कि गुरुवार की सुबह वह घर के काम कर रही थी। तभी वहां पति आए और उसके साथ गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की है।

ओवरलोड गिट्टी लेकर जा रहे डंपर को खनन अधिकारी ने पकडा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ओवरलोड गिट्टी लेकर जा रहे डंपर को खनन अधिकारी ने पकड़कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया। खनन अधिकारी कुलदीप कुमार राम व उनकी टीम ने गुरुवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के नजदीक ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान एक डंपर ओवरलोड गिट्टी लादकर उरई की ओर से बंगरा की ओर जा रहा था। टीम ने ओवरलोड डंपर को रूकवाकर जब चालक से गिट्टी के परिवहन से संबंधित कागजात मांगे तो वह नहीं दिखा सका। जिसके बाद टीम ने ओवरलोड डंपर को अपने कब्जे में लेकर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। खनन अधिकारी ने बताया कि ओवरलोड डंपर पकड़ा गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सूर्पनखा नासिका छेदन से लेकर सीता हरण तक की लीला का हुआ भव्य मंचन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रामलीला महोत्सव 2026 में सूर्पनखा नासिका छेदन से लेकर सीता हरण तक की लीला का मंचन किया गया। सीता हरण की लीला देखकर दर्शकों की आखें नम हो गई।

174वें श्रीरामलीला मंचन में पंचवटी पहुंचने पर रावण की बहिन सूर्पणखा सुंदर स्त्री बनकर श्रीराम और लक्ष्मण के पास पहुंचती है। जहां वह दोनों भाइयों से बारी बारी से विवाह का प्रस्ताव रखती है। लेकिन दोनों ही भाई उसके साथ विवाह के लिए मना कर देते हैं। इसके बाद वह गुस्से में राक्षसी के भेष में आ जाती है। तब लक्ष्मण उसकी नासिका छेदन कर देते हैं। वहीं, मामा मारीच के हिरण के रूप में आने व उनके वध की लीला का मंचन किया गया। रामलीला में सीता हरण के नए पक्ष को दिखाया गया। जिसमें श्रीराम को पहले से ही पता था कि सीताजी का हरण होने वाला है। इसलिए सीता जी पहले ही अग्नि में निवास करने चली जाती हैं। रावण जिस सीताजी का हरण करता है, वह सीताजी का प्रतिबिंब होती है। मंचन में श्रीराम की भूमिका मनोज तिवारी, लक्ष्मण शीपू पारासर, माता सीता रामदूत तिवारी, रावण प्रहलाद यादव, जयंत पंचम दीवाना, इंद्र रमेश दुबे, ब्रम्हा रामकुमार, सुंदरी पायल रानी, खरदूषण सुरेंद्र पाराशर, रामकुमार एवं सूर्पणखा की भूमिका भगवानदास ने निभाई।

मिशन शक्ति अभियानः छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा और महिला हेल्पलाइन की दी जानकारी

नदीगांव और कोंच के विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के बारे में भी बताया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पुलिस मुख्यालय के निर्देशों एवं मिशन शक्ति फेज 6.0 के तहत गुरुवार को कोतवाली कोंच और थाना नदीगांव की मिशन शक्ति व साइबर टीमों ने विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। मां अकनीबा इंटर कालेज नदीगांव और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कोंच में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया सुरक्षा, महिला हेल्पलाइन और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की जानकारी दी गई।नदीगांव स्थित मां अकनीबा इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साइबर एक्सपर्ट रक्षित टंडन ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि आज के समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए, पासवर्ड सुरक्षित रखना चाहिए और किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा नहीं करना चाहिए। साथ ही फिशिंग हमलों के प्रति सतर्क रहने और सोशल मीडिया का सुरक्षित इस्तेमाल करने की सलाह दी।थानाध्यक्ष नदीगांव राजकुमार चौधरी, ब्रह्मजीत सिंह और मंजू शाक्य ने 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस विद रक्षित टंडन' कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके समझाए। इस दौरान मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के बारे में भी जानकारी दी गई।मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में बताया। साथ ही किसी भी परेशानी या आपात स्थिति में इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कालेज के प्राचार्य, शिक्षक और करीब डेढ़ सैकड़ा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वहीं कोंच स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में भी मिशन शक्ति अभियान के तहत कैरियर गाइडेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित की गई। अतिरिक्त निरीक्षक कामता प्रसाद, प्रभारी मिशन शक्ति विमलेश कुमार और महिला उपनिरीक्षक भारती सिंह ने छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना तथा उत्तर प्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर महिला कांस्टेबल जान्हवी, अर्चना केसरवानी, पूजा फौजदार, शिखा और कृष्णा सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने जोडर

शंघाई

राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

मैं सही चीजें कर रहा था : जोडर

जोडर ने कहा, मुझे लगता है कि मैं सही चीजें कर रहा था, लेकिन उन्होंने टाई-ब्रेक में अहम प्वाइंट मुझसे बेहतर खेले। इसी कारण उन्होंने पहला सेट जीता। मुझे सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट मिले थे। दूसरे सेट में मैंने ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मुझे सेट में आगे बढ़ने और बेहतर स्थिति में आने में मदद मिली। आज का मैच जैसा रहा, उससे मैं बहुत खुश हूं।

जोडर ने बनाया मैच पर नियंत्रण

वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था। इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 46-16 हो गया है। वह फिलहाल 'पीआईएफ लाइव रेस टू ट्यूरिन' में 11वें स्थान पर हैं और 10वें स्थान पर मौजूद नोवाक जोकोविच से केवल 131 अंक पीछे हैं।

रणजी ट्रॉफी : पोरेल-घरामी के शतक, बंगाल ने दिल्ली को 9 विकेट से हराया

दिल्ली पर बंगाल भारी, शमी ने झटके 5 विकेट

अहमदाबाद

बंगाल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ करते हुए दिल्ली को चौथे और आखिरी दिन 9 विकेट से हरा दिया। अपने कल के स्कोर 3 विकेट पर 101 रन से आगे खेलते हुए दिल्ली की टीम 106.2 ओवर में 277 रन पर आउट हो गई। मैच में बंगाल की जीत के हीरो रहे शतकवीर अभिषेक पोरेल और सुदीप कुमार घरामी। वहीं दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पहली पारी में 4 विकेट सहित पूरे मैच में 5 विकेट झटके।

कप्तान आयुष बडोनी ने 134 गेंद में 85 रन बनाए, जिसमें 10 चौके शामिल थे। विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने 76 गेंद में 39 रन का योगदान दिया। दिल्ली के 240 रन के जवाब में बंगाल ने पहली पारी में 429 रन बनाए थे और उसे 89 रन का लक्ष्य हासिल करने के लिए 15.3 ओवर की ही जरूरत पड़ी।

गुजरात ने ओडिशा को दी करारी शिकस्त

वहीं एक अन्य मैच में बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात ने ओडिशा को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनस अंक सहित 7 अंक हासिल किए। ओडिशा ने 4 विकेट पर 119 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई लेकिन उसकी पूरी टीम 161 रन पर आउट हो गई। गुजरात को इस तरह से 47 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 9.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। इससे पहले देसाई ने 36 रन देकर 5 विकेट लिए और ओडिशा को सस्ते में समेटने में अहम भूमिका निभाई। ओडिशा की तरफ से संदीप पटनायक ने 65 और बिप्लब सामंतराय ने 53 रन बनाए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जन नागवासवाला ने भी गुजरात की जीत में योगदान दिया। उन्होंने मैच में 5 विकेट लिए, जिसमें दूसरी पारी में लिए गए 35 रन देकर तीन विकेट भी शामिल हैं।

विदर्भ बनाम पुडुचेरी

रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच में विदर्भ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुडुचेरी को 160 रनों से हराया। पहली पारी में विदर्भ ने 428 रन बनाए, जिसके जवाब में पुडुचेरी की पूरी टीम 313 रन बनाकर ऑल-आउट हुई। विदर्भ ने अपनी दूसरी पारी 3 विकेट खोकर 175 रन बनाने के बाद घोषित की, जिसके जवाब में पुडुचेरी की पूरी टीम 130 रन बनाकर सिमट गई।

मिजोरम बनाम मणिपुर

प्लेट ग्रुप में खेले गए मुकाबले में मणिपुर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मिजोरम को 9 विकेट से हराया। मिजोरम ने पहली पारी में 183 रन बनाए, जिसके जवाब में मणिपुर ने 251 रन बनाए। दूसरी पारी में मिजोरम की पूरी टीम 295 रन बनाकर सिमटी। हालांकि मणिपुर ने 1 विकेट खोकर 228 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया।

हिमाचल प्रदेश बनाम हरियाणा

ग्रुप सी में हरियाणा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश को 7 विकेट से हराया। हिमाचल प्रदेश ने पहली पारी में 9 विकेट खोकर 253 रन बनाए। इसके जवाब में हरियाणा ने 296 रन बनाते हुए मामूली बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में हिमाचल प्रदेश की पूरी टीम 113 रन ही बना सकी और हरियाणा ने आसानी से 3 विकेट खोकर 74 रन बनाकर जीत दर्ज की।

वुहान ओपनः स्वियातेक की सीजन की 40वीं जीत, सेरेना को पीछे छोड़ा

स्वियातेक ने मैग्डेलेना को 1 घंटे 43 मिनट में दी मात

वुहान

वुहान ओपन में पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को हमवतन मैग्डेलेना फ्रेच को मात देकर इस सीजन की अपनी 40वीं जीत दर्ज की, जबकि एलिना स्वितोलिना ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में जगह बनाई।

इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ी सीजन के आखिर में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बनी हुई हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैग्डेलेना फ्रेच को 1 घंटे 43 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-1 से मात देकर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में अपने करियर की 149वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ स्वियातेक ने सेरेना विलियम्स की 148 जीत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। वह इस लिस्ट में सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं।

मैंने कम गलतियां कीं : स्वियातेक

स्वियातेक ने कहा, मैं सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलकर खुश हूं, क्योंकि मुझे पहले वहां खेलने का मौका नहीं मिला था। मैच की शुरुआत में मुकाबला एक-एक प्वाइंट का था, लेकिन बाद में मुझे खुशी हुई कि मैंने कम गलतियां कीं और मैच के आखिर तक अपने मौकों का सही इस्तेमाल किया। निश्चित रूप से यह स्कोर से कहीं ज्यादा मुश्किल मैच था।

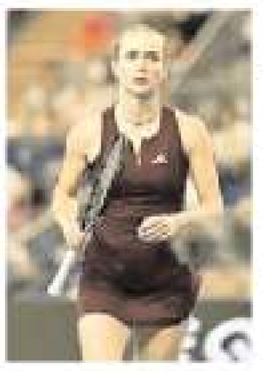

पोलैंड की स्वियातेक ने अब लगातार पांच सीजन में कम से कम 40 जीत दर्ज की हैं, हालांकि उन्होंने माना कि 2026 में लगातार अच्छा प्रदर्शन बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है।

खबर संक्षेप

केविन विकहम खेलेंगे बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट

सेंट जोन्स। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 23 वर्षीय केविन विकहम को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए पहली बार वेस्टइंडीज की टीम में शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज ने इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। यह उसका आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-2027 चक्र का अंतिम दौरा है। पहला टेस्ट मैच 28 अक्टूबर से मीरपुर और दूसरा टेस्ट मैच पांच नवंबर से सिलहट में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने सीमित ओवरों की टीम के कप्तान शाई होप को तीनों प्रारूपों में लगातार खेलने के बाद आराम दिया है। वेस्टइंडीज की टीम 18 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेगी और 22 से 24 अक्टूबर तक ढाका में तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

बीएफआई महासचिव प्रमोद कुमार निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कथित वित्तीय अनियमितताओं, जांच में सहयोग नहीं करने और अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने के आरोप में महासचिव प्रमोद कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अजय सिंह ने निलंबन आदेश में कुमार के खिलाफ कई आरोपों का हवाला दिया, जिनमें उचित मंजूरी के बिना प्रसारण व्यवस्था के लिए आदेश जारी करना भी शामिल है। कुमार पर राष्ट्रीय चैंपियनशिप रद्द होने की जांच में सहयोग न करने और अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए अनधिकृत बैठक बुलाने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया गया है।

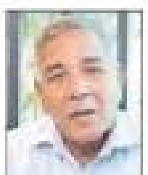

आईसीसी रैंकिंग : अय्यर ने मारी लंबी छलांग

ईशान और अभिषेक में नंबर वन की जंग

दुबई

कप्तान श्रेयस अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैच की मौजूदा श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी की बल्लेबाजों की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 3 स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अय्यर ने लखनऊ में श्रृंखला के पहले मैच में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में 4 भारतीय शामिल हैं। ईशान किशन 904 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने साथी भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर 13 अंक की बढ़त बना रखी है। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान करियर के सर्वश्रेष्ठ 883 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

सैमसन को रैंकिंग में फायदा

श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान के कप्तान फरहान ने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किए। श्रीलंका के कुसल मेंडिस (तीन स्थान के फायदे से 23वें स्थान पर), वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड (13 स्थान के फायदे से संयुक्त 24वें) और भारत के संजू सैमसन (चार स्थान के फायदे से संयुक्त 27वें) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

टेस्ट ऑलराउंडरों में शीर्ष पर जडेजा

भारत के अनुभवी खिलाड़ी रविंद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे और शाकिब हसन पांच पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। ब्रिस्बेन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत के बाद आईसीसी की नवीनतम टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में उसके कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच की श्रृंखला के पहले मुकाबले में ब्रिस्बेन में दक्षिण अफ्रीका को 214 रन से हराया।

गांगुली-रहाणे ने पिच पर जमाया रंग, प्रिंस विलियम के साथ खेला क्रिकेट

लंदन। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और अजिंक्य रहाणे ने प्रिंस विलियम के साथ एक दोस्ताना टेनिस बॉल क्रिकेट मैच में भाग लिया। इस मैच का आयोजन ब्रिटिश राजघराने की पर्यावरण पहल, अर्थशॉट पुरस्कार समारोह के प्रचार के लिए किया गया था। यह पुरस्कार समारोह अगले महीने मुंबई में होगा। 38 वर्षीय रहाणे और गांगुली के अलावा इस मैच में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ब्रायन लारा तथा इंग्लैंड के जो रूट और हैरी ब्रूक ने भी भाग लिया। इन सभी ने प्रिंस विलियम के निवास पर बकिंघम पैलेस के बाहर द मॉल में मैच खेला। रहाणे ने कहा, क्रिकेट खेलने के कारण मैंने दुनिया भर के कई जगहों का दौरा किया है, लेकिन बकिंघम पैलेस की पृष्ठभूमि में लंदन के द मॉल में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलना एक ऐसा अनुभव है, जो मुझे लंबे समय तक याद रहेगा। उन्होंने कहा, 'प्रिंस विलियम के साथ समय बिताना तथा खेल जगत के अपने सीनियर और दिग्गजों दादा (गांगुली), ब्रायन लारा, रूट, हैरी ब्रूक और इस मैच को यादगार बनाने वाले सभी लोगों से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।

आज एशियाई खेलों के विजेताओं से मिलेंगे पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल के खिलाड़ियों से गुरुवार को मुलाकात करेंगे। कार्यक्रम यहां स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री सभा को भी संबोधित करेंगे। भारत ने इन खेलों में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। भारत लगातार दूसरी बार शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहा। कार्यक्रम में भारतीय दल के खिलाड़ी, उनके कोच और सहयोगी स्टाफ, भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारी, राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधि के अलावा युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधिकारी शामिल होंगे। भारत ने आइची-नागोया खेलों में 500 खिलाड़ियों का दल भेजा था, जिनमें से 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में हिस्सा ले रहे थे।

महिला वनडे सीरीज

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को हराया, सीरीज की क्लीन स्वीप

ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 3-0 से अपने नाम किया। तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश से मिले 173 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 22.4 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वॉल सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद बेथ मूनी 14 गेंदों में 21 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। हालांकि, इसके बाद एलिसा पेरी और एनाबेल सदरलैंड ने मोर्चा संभाला और टीम को बिना कोई और झटका लगे सफलतापूर्वक लक्ष्य तक पहुंचाया। पेरी ने 64 गेंदों का सामना करते हुए 65 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। सदरलैंड ने महज 52 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौकों की मदद से 74 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर लौटीं।

बांग्लादेश की बल्लेबाजों ने टेके घुटने

इससे पहले, बांग्लादेश की बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 172 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की ओर से शोर्ना अख्तर ने सर्वाधिक 54 रन बनाए, जबकि शर्मिन अख्तर ने 93 गेंदों में 50 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि, इन दोनों बल्लेबाजों को छोड़कर टीम की अन्य बैटर्स बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं। टीम की सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सकीं।

चैंपियंस लीगः बायर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके ने ड्रा पर रोका

बायर्न म्यूनिख के खिलाफ ऐतिहासिक उलटफेर

इस्तांबुल

बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया।

इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सांद्र बत्राकोव के डिफ्लेक्टेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैंसेलो ने सूझबूझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया।

कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए असिस्ट किया।

बायर्न म्यूनिख को करना पड़ा संघर्ष

दूसरी तरफ नॉर्वे में बायर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा। घरेलू टीम वाइकिंग ने पहले हाफ में ही 2-0 की बढ़त ले ली। जिब्रिल स्टेंसनेस ने दूसरे मिनट में कॉर्नर पर हेडर से गोल किया और पीटर क्रिस्टियनसेन ने काउंटर-अटैक पर दूसरा गोल दागा। दूसरे हाफ में हैरी केन ने बायर्न की वापसी कराई। केन ने पहले पेनल्टी पर गोल किया और फिर हेडर से स्कोर 2-2 कर दिया। केन ने इसी के साथ चैंपियंस लीग में लगातार नौ मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड बना लिया। इसके बाद लुइस डियाज ने शानदार मूव को अंजाम देते हुए बायर्न को 3-2 से आगे कर दिया।

हेल्थ चेकअप

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन

सिर की पुरानी चोट में जब फिर से उभरे दर्द

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ माह पहले मेरे सिर पर चोट लगी थी। पिछले कुछ समय से चोट वाली जगह पर दर्द हो रहा है। कभी-कभी दर्द तेज हो जाता है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-रोहन, रायपुर

आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जो भी वे सजेस्ट करें, सिर की एमआरआई या सीटी स्कैन करवा लें। क्योंकि कई बार चोट लगने पर क्लॉटिंग हो जाती है और उसके कारण दर्द और आगे चलकर कई बार ज्यादा बड़ी परेशानी बन सकती है। इसलिए आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर जांच कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। कुछ समय पहले पेट के अल्ट्रासाउंड से पता चला कि किडनी के पास सिस्ट है। क्या इससे कोई नुकसान नहीं होता? इसका ट्रीटमेंट कैसे होगा?

-दीपक, राजनांदगांव

इस मामले में बगैर रिपोर्ट देखें कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सिस्ट किस तरह की है, क्या पोजीशन है यह रिपोर्ट से तय होगा। रिपोर्ट देखकर तय होगा कि ऑपरेट करने की जरूरत है या दवा से ही ठीक हो सकती है।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरी नाक से अचानक खून रिसने लगा, फिर कुछ समय बाद यह अपने-आप ही बंद हो गया। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ? यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-सुजीत, बिलासपुर

इसको लेकर चिंता करने की कोई बात नहीं है। यह समस्या ज्यादातर गर्मियों में होती है। हालांकि कई बार दूसरे मौसम में भी हो सकती है। कोशिश करें कि जब ब्लड आ रहा हो तो उस समय बगैर तकिए के लेट जाएं। कुछ देर में अपने आप ही ब्लड बंद हो जाएगा।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। दो माह पहले प्रोस्टेट का ऑपरेशन हुआ था। कुछ दिनों से कमर में दर्द हो रहा है। दर्द का रिलेशन ऑपरेशन से तो नहीं है? मैं क्या करूं?

-हरीश, महेंद्रगढ़

चूंकि आपका ऑपरेशन हुआ है। इसलिए बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। हो सकता है कि दर्द की वजह ऑपरेशन हो, लेकिन आपको उस डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, जिसने आपकी सर्जरी की थी। वह जांच कर इसकी वजह बताएंगे और जरूरत पड़ेगी तो उसका ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल बगैर डॉक्टर से संपर्क के आप किसी भी तरह की मेडिसिन न लें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। सर्दी शुरू होते ही हथेलियों में बार-बार रूखापन फील होता है। जेली, ऑयल लगाने के कुछ देर बाद फिर ड्रायनेस होती है, इसकी क्या वजह हो सकती है?

-कुलदीप, दुर्ग

कुछ लोगों की स्किन ऑयली होती है जबकि कुछ लोगों की ड्राय होती है। हो सकता है कि आपकी स्किन ड्राय हो, जिस वजह से लगातार ड्रायनेस रहती है। आप कोशिश करें कि पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। पानी की कमी की वजह से भी कई बार ड्रायनेस हो सकती है। इसके साथ कोशिश करें कि नारियल का तेल लगाएं। यह सबसे अच्छा रहेगा। नहाने के तुरंत बाद तेल लगाना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

मेरी उम्र 42 वर्ष है। मेरा पेट अक्सर गड़बड़ रहता है। कभी कब्ज, तो कभी लूज मोशन की समस्या होती रहती है। मेरे पेट की समस्या का स्थाई निदान बताने का कष्ट करें।

-सागर, महासमुंद

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। इस वजह से यह समस्या आ रही है। आप खान-पान में सुधार करें। दोपहर में खाने के साथ दही या छाछ जरूर लें। नाश्ते में फल को शामिल करें। रात में हल्का खाना लें। पर सबसे जरूरी चीज यह है कि अधिक तला-भुना या बाजार का पैक्ड फूड न खाएं। यह आपकी परेशानी और बढ़ा सकता है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

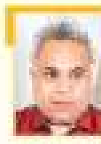

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सुदीप जैन

नई दिल्ली

प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' के अनुसार, दुनिया भर में प्रत्येक दस में से एक व्यक्ति कमर दर्द की समस्या से ग्रस्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2020 में 619 मिलियन लोग दुनिया भर में कमर के निचले भाग में होने वाले दर्द (लोअर बैक पेन) से पीड़ित थे। मौजूदा दौर में कंप्यूटर, लैपटॉप और स्मार्टफोन आदि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर देर तक काम करने से और गलत पोस्चर्स में बैठने के कारण लोगों में रीढ़ की हड्डी से संबंधित समस्याएं बढ़ रही हैं। अगर किसी व्यक्ति को लगभग एक हफ्ते से अधिक समय से गर्दन या फिर कमर दर्द की समस्या है, रीढ़ की हड्डी और उसके आसपास दर्द हो रहा है और उसे पारंपरिक उपचार (जैसे दर्द से राहत पाने के लिए ठंडे पानी से सिकाई और सूजन कम करने के लिए गर्म पानी से सिकाई) से राहत नहीं मिल रही हो तो मरीज को डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

स्पाइन की प्रमुख समस्याएं

स्पाइन से जुड़ी कुछ प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं- साइटिका या सियाटिका, स्पाइनल कॉर्ड इंज्यूरी, स्पाइनल अर्थराइटिस, हर्निएटेड डिस्क, स्पाइनल स्टेनोसिस, स्कोलियोसिस, एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और कायफोसिस।

स्पाइन प्रॉब्लम्स के लक्षण

- कमर में दर्द और जकड़न महसूस करना। अधिकतर मामलों में यह दर्द कमर के निचले हिस्से यानी लंबर में ज्यादा होता है।
- गर्दन में जकड़न या दर्द।
- अनेक लोगों में कमर और गर्दन से संबंधित दर्द दिन की बजाय रात में ज्यादा होता है।
- कुछ लोग दर्द की समस्या कमर से लेकर कूल्हों तक महसूस करते हैं।
- अनेक लोगों में व्यायाम करने के बाद या फिर चलने-फिरने की स्थिति में कमर व गर्दन दर्द की समस्या बढ़ जाती है।
- कुछ मामलों में लोग गर्दन व कमर के भाग में सुन्नता का एहसास भी करते हैं।
- रीढ़ की समस्या के गंभीर होने पर मरीज को नित्य क्रिया करने जैसे पेशाब आदि से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

स्पाइन प्रॉब्लम्स के प्रमुख कारण

- एक उम्र (चालीस-पैंतालीस वर्ष) के बाद हड्डियों में प्राकृतिक क्षरण प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति का चलना-फिरना और उसकी सक्रियता कम होने लगती है।
- अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, जिसके अंतर्गत व्यायाम न करना, मोटापा और गलत खान-पान आदि कई कारण शुमार हैं।
- इन दिनों स्पाइन संबंधी समस्याओं का एक प्रमुख कारण गलत पोस्चर में घंटों बैठना, चलना या लेटना है। आमतौर पर लोग लैपटॉप या कंप्यूटर पर कार्य करते समय या टेलीविजन देखते समय या अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काम करते वक्त रीढ़ की हड्डी को उसके नेचुरल कर्व में नहीं रखते हैं।
- दिनों-दिन बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं या अन्य दुर्घटना से भी ऐसा होता है।
- आनुवंशिक या जेनेटिक कारण।
- रीढ़ की हड्डी पर चोट लगना।
- धूम्रपान करना भी इसका कारण हो सकता है।

इलाज के तरीके

स्पाइन संबंधी समस्याओं में ऑपरेशन की नौबत तब आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को दवाओं और फिजियोथेरेपी आदि से राहत नहीं मिलती। सर्जरी के भी कई तरीके हैं। जैसे- मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी, एंडोस्कोपिक स्पाइनल सर्जरी, स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी, स्पाइनल लैमिनेक्टमी, डिस्केक्टमी, डिस्क रिप्लेसमेंट, काइफोप्लास्टी। इनमें से डॉक्टर पेशेंट की कंडीशन के बेस पर तय करते हैं कि कौन सी सर्जरी इफेक्टिव रहेगी।

मोटापे का दुष्प्रभाव

वर्ल्ड ओबेसिटी फैडरेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार मोटापा रीढ़ की हड्डियों और शरीर के अन्य जोड़ों की समस्याओं को बढ़ा देता है। मोटापे के कारण स्पाइन का एलाइनमेंट असंतुलित हो जाता है। इसलिए मोटापे पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। इसके लिए अपने खान-पान और व्यायाम पर ध्यान दें।

स्पेशल: वर्ल्ड स्पाइन डे, 16 अक्टूबर

आमतौर पर लोग अपनी स्पाइन हेल्थ यानी रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य पर जरूरी ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में इस बार के वर्ल्ड स्पाइन डे की थीम-स्पाइन हेल्थ फॉर लाइफ, बहुत मायने रखती है। यह थीम हमें प्रेरित करती है कि रीढ़ की सेहत का खयाल रखना जीवन भर की जिम्मेदारी है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर स्पाइन हेल्थ से जुड़े यूजफुल सजेशंस दे रहे हैं।

ऐसे करें स्पाइन हेल्थ केयर

स्पाइनल हेल्थ और व्यायाम

विभिन्न प्रकार के व्यायामों से स्पाइन में लचीलापन बना रहता और इनके समीप स्थित मांसपेशियां मजबूत रहती हैं। अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। इस क्रम में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें। अपनी क्षमता के अनुसार नियमित रूप से टहलें, साइकिल चलाएं, स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें और तैराकी भी कर सकते हैं। योगासन भी रीढ़ की हड्डी को लचीला और सशक्त बनाने में मदद करते हैं, किंतु इनकी शुरुआत किसी योग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर करना चाहिए।

डाइट भी है इंपॉर्टेंट

हरी पत्तेदार सब्जियों को अपने आहार में वरीयता दें। पत्तेदार सब्जियों में विटामिंस और मैग्नीशियम पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जिनसे आपकी रीढ़ की हड्डी के समीप स्थित मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रीढ़ की हड्डियां सशक्त बनी रहती हैं। जंक फूड्स और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ रीढ़ की सेहत के लिए नुकसानदेह हैं। इसके अलावा अपने खान-पान में दूध, दही, पनीर, बटर, छाछ आदि को शामिल करें। दूध और इससे निर्मित उत्पादों में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो रीढ़ को मजबूत रखने में सहायक है। इसके अलावा खट्टे फल, बींस, नट्स और ड्राय फ्रूट्स का सेवन करें।

सही पोस्चर में सोएं

पेट के बल सोने से रीढ़ को वांछित विश्राम नहीं मिल पाता। पेट के बल सोना नींद लेने की खराब स्थिति है, जो आपकी रीढ़ की मांसपेशियों और कशेरुका पर सबसे अधिक दबाव डालती है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह स्थिति आपकी रीढ़ के प्राकृतिक वक्र को समतल कर देती है। यही नहीं, पेट के बल सोने से आपको गर्दन भी मोड़नी पड़ सकती है। नतीजतन गर्दन और कमर में दर्द हो सकता है। अगर आप पेट के बल या करवट के बल सोते रहने के आदी हैं, तो भी अपने सोने की शुरुआत पीठ के बल लेटकर ही करें।

वर्कप्लेस पर रखें ध्यान

कर्मचारियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाए बिना उनकी कार्य क्षमता बढ़ाने को एर्गोनॉमिक्स कहा जाता है। ऑफिस में एर्गोनॉमिक्स का पालन करने से स्वस्थ रीढ़ से संबंधित उपायों को सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलती है। जैसे-

- कंप्यूटर व लैपटॉप आदि गैजेट्स का संचालन ऐसी खास कुर्सियों पर बैठकर करना, जो आपकी रीढ़ को पर्याप्त सपोर्ट करती हों।
- कार्य के दौरान कुछ समय के लिए ब्रेक लेने के लिए एक ऐसे कक्ष की व्यवस्था करना, जिसमें आप गर्दन और कमर से संबंधित स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कर सकें।
- कंप्यूटर पर कार्य करने की ऐसी विधि अपनाना, जिससे रीढ़ की हड्डी पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

बैठने का सही तरीका

देर तक बैठे रहने के कारण 'स्पाइनल एलाइनमेंट' बनाए रखने में दिक्कत होती है। इससे बचने के लिए कुछ बातों पर गौर करें।

- अगर आपकी डेस्क जॉब है तो थोड़ी देर के बाद उठकर आस-पास टहल लें।
- बैठने के दौरान पीठ को सहारा दीजिए और जरूरत पड़ने पर पीठ के पीछे गद्दी रखें।
- बहुत देर तक झुककर बैठने से बचें। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फिटनेस

अंजू जैन

एक्सरसाइज का नया ट्रेंड हायरॉक्स वर्कआउट

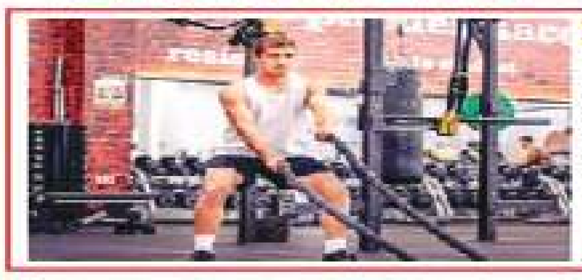

हायरॉक्स वर्कआउट, ग्लोबल फिटनेस का सबसे तेजी से उभरता हुआ खेल और एक्सरसाइज ट्रेंड है। यह एक ऐसा स्टैंडर्ड फॉर्मेट है, जो दौड़ने और फंक्शनल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को एक साथ परफॉर्म करने का मौका देता है।

क्या है हायरॉक्स: यह एक इनडोर फिटनेस रेस है। इसका एक निश्चित प्रारूप होता है। इस रेस में भाग लेने वाले एथलीट को कुल 8 किलोमीटर की दौड़ लगानी होती है और 8 अलग-अलग फंक्शनल वर्कआउट स्टेशनों को पूरा करना होता है। रेस की शुरुआत 1 किलोमीटर की दौड़ से होती है, जिसके तुरंत बाद पहला वर्कआउट स्टेशन आता है। इसके 8 चैलेंजिंग वर्कआउट स्टेशनों में पहला स्टेशन स्कीएर्ग है। इसमें स्कीइंग मशीन पर 1,000 मीटर की दूरी पूरी करनी होती है, जो ऊपरी शरीर और कोर को टार्गेट करती है। स्टेशन 2 स्लेड पुश है। इसमें एक भारी स्लेज को 50 मीटर तक पैर की ताकत से धकेलना होता है। स्टेशन 3 स्लेड पुल होता है। 50 मीटर तक भारी स्लेज को रस्सी के सहारे अपनी तरफ खींचना होता है। स्टेशन 4 बरपी ब्रॉड जंप्स होता है। इसमें बर्पी करने के बाद आगे की तरफ लंबी छलांग लगानी होती है, जिसे 80 मीटर तक पूरा करना होता है। स्टेशन 5 में रोइंग मशीन पर 1,000 मीटर की दूरी तय करनी होती है, जो पूरे शरीर का कार्डियो टेस्ट है। स्टेशन 6 फॉर्मर्स कैरी है। इसमें दोनों हाथों में भारी केटलबेल या डंबल उठाकर 200 मीटर तक चलना होता है। स्टेशन 7 सैंडबैग लॉन्जेज होता है। इसमें पीठ पर भारी सैंडबैग (रेत की बोरी) रखकर 100 मीटर तक लंज वॉक करनी होती है। स्टेशन 8 वॉल्स बॉल्स में एक भारी मेडिसिन बॉल को स्क्वैट करते हुए दीवार पर बने निश्चित निशान पर 100 बार फेंकना होता है।

बढ़ रही पॉपुलैरिटी: पश्चिमी देशों के साथ ही एशियाई बाजारों में भारत इस समय हायरॉक्स के लिए सबसे तेजी से बढ़ता हुआ केंद्र बनकर उभरा है। साल 2025-2026 के दौरान मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों में आयोजित इसके इवेंट्स में प्रतिभागियों की संख्या में 5 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई। इससे साबित होता है कि भारतीय फिटनेस संस्कृति में लोग अब केवल 'दिखने के लिए' बॉडी बिल्डिंग करने के बजाय, व्यावहारिक शारीरिक क्षमता को अपना नया स्टेटस सिंबल मान रहे हैं। *

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

स्वस्थ जीवन के लिए अच्छा खान-पान, साफ-सफाई आदि तो जरूरी है ही, हमारे दैनिक जीवन में कुछ आदतों में सुधार और दिनचर्या में कुछ आदतों को शुमार करना भी जरूरी है। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

स्वस्थ रहने के आसान सूत्र

अगर आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ आदतों को शामिल कर लें तो इसका असर आपकी हेल्थ पर पड़ेगा।

नाक से सांस लेना: कई लोगों को देखा जाता है कि वे अक्सर मुंह से सांस लेते हैं या डीप ब्रीदिंग न करके उथली व छिछली ब्रीदिंग करते हैं। यह गलत है। सांस हमेशा नाक से लें और गहरी सांस लें। नाक के अंदर 'नाइट्रिक ऑक्साइड' गैस बनती है। जब हम नाक से सांस लेते हैं, तो यह गैस फेफड़ों में जाती है, जिससे रक्त वाहिकाएं चौड़ी हो जाती हैं और शरीर 18 प्रतिशत अधिक ऑक्सीजन सोख पाता है। जागते समय दिन भर और सोते समय भी सचेत रहें कि आपका मुंह बंद रहे। अगर सोते समय मुंह खुलता है, तो 'माउथ टेपिंग' (विशेष टेप) का उपयोग आजकल एक रिसर्च आधारित ट्रेंड है। दिन भर आप नाक से सांस ले रहे हैं या नहीं इसके लिए शुरू में ब्रीदिंग चेक करें। हर 1-2 घंटे में एक रिमाइंडर सेट करें (या फोन पर वॉलपेपर लगाएं) यह चेक करने के लिए कि आपका मुंह बंद है और आप नाक से गहरी सांस ले रहे हैं। अगर डेस्क जॉब है, तो हर बार पानी पीते समय 2 मिनट अपनी नाक से होने वाली सांस पर ध्यान दें। इस तरह धीरे-धीरे आपकी आदत ठीक हो जाएगी।

ग्राउंडिंग या अर्थिंग: विज्ञान कहता है कि पृथ्वी की सतह में 'मुक्त इलेक्ट्रॉन' का भंडार होता है। जब हमारी त्वचा सीधे मिट्टी या घास के संपर्क में आती है, तो ये इलेक्ट्रॉन शरीर में प्रवेश कर एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। शोध बताते हैं कि यह शरीर की सूजन को कम करता है और नींद की गुणवत्ता सुधारता है। इसके लिए रोज सुबह 10-15 मिनट नंगे पैर घास, गीली मिट्टी या रेत पर चलें। कंक्रीट या टाइल्स पर यह काम नहीं करता। जमीन पर लेटना, नदी, तालाब, झील में पैर डाल कर बैठना भी फायदेमंद है। गठिया में इससे फायदा होता है।

सर्केडियन ईटिंग: हमारे शरीर के हर अंग की अपनी एक घड़ी होती है। पाचन तंत्र सूर्योदय के समय सबसे सक्रिय और सूर्यास्त के बाद धीमा हो जाता है। रात को देर से खाने से शरीर भोजन को पचाने में ऊर्जा लगाता है, जिससे 'सेलुलर रिपेयर' (कोशिकाओं की मरम्मत) का काम रुक जाता है। इसके लिए 'सनराइज टू सनसेट' नियम अपनाएं। कोशिश करें कि रात का आखिरी भोजन सूर्यास्त के 2-3 घंटे के भीतर या रात 8 बजे से पहले हो जाए। रात को सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले कुछ न खाएं। अगर भूख लगे, तो सिर्फ हर्बल टी या पानी लें। इससे सोते समय आपका शरीर 'पाचन' के बजाय 'रिपेयरिंग' (मरम्मत) पर ध्यान दे पाएगा।

योग निद्रा: स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, योग निद्रा दिमाग को 'थीटा' और 'डेल्टा' ब्रेन वेव अवस्था में ले जाता है। यह गहरी नींद के बिना भी नर्वस सिस्टम को शांत करता है और मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ाता है। इसके अभ्यास के लिए दिन में जब भी थकान महसूस हो, 15-20 मिनट के लिए लेट जाएं और किसी गाइडेड 'योग निद्रा' ऑडियो को सुनें। यह 2 घंटे की नींद जितनी ताजगी दे सकता है। दिनचर्या में जब सुस्ती महसूस हो, तो 20 मिनट आंखें बंद करके लेट जाएं। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल, लाइफ स्टाइल कोच हरिराम अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

इलाहाबाद-झांसी स्नातक खंड चुनाव की तैयारियां तेज

झांसी महानगर में जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने शिक्षकों, अधिवक्ताओं एवं प्रबुद्धजनों से किया व्यापक जनसंपर्क, भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को विजयी बनाने की अपील

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। इलाहाबाद-झांसी स्नातक खंड विधान परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा झांसी महानगर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में स्नातक एमएलसी संपर्क अभियान के अंतर्गत महानगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, न्यायालय परिसर एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर व्यापक जनसंपर्क किया गया। इस दौरान भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी श्री अशोक कुमार राठौर के समर्थन में शिक्षकों, अधिवक्ताओं एवं प्रबुद्धजनों से संपर्क कर उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया गया तथा भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई।

जनसंपर्क अभियान की शुरुआत झांसी के अग्रसेन इंटर कॉलेज से हुई, जहां प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों से संपर्क कर स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों और मतदान प्रक्रिया के संबंध में चर्चा की गई। इसके पश्चात सी.एम.एल. इंटरनेशनल स्कूल पहुंचकर विद्यालय के प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं से संवाद किया गया। इस दौरान सभी से भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर के समर्थन में मतदान करने का आग्रह किया गया। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने झांसी कचहरी पहुंचकर अधिवक्ता बंधुओं से संपर्क किया। उन्होंने अधिवक्ताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा स्नातक खंड विधान परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज, अधिवक्ताओं एवं प्रबुद्धजनों की सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभियान के अगले चरण में मिशन कंपाउंड स्थित साहू कोचिंग सेंटर पहुंचकर महिला शिक्षकों, चिकित्सकों एवं अधिवक्ता बहनों से संपर्क किया गया। इस दौरान उन्हें मतदान प्रक्रिया की जानकारी देते हुए भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर के समर्थन में मतदान करने का अनुरोध किया गया। साथ ही शिक्षा जगत को और अधिक सशक्त बनाने तथा झांसी के विकास एवं प्रगति को नई दिशा देने के उद्देश्य से भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील की गई। जनसंपर्क के दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करने, उन्हें मतदान के प्रति जागरूक करने तथा चुनाव में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अभियान के माध्यम से शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों एवं अन्य प्रबुद्ध मतदाताओं तक पहुंचकर भाजपा के पक्ष में समर्थन जुटाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री रामकिशोर साहू, विधान परिषद सदस्य श्री रामतीर्थ सिंघल, श्री अमित साहू, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री अमित खटीक, जिला उपाध्यक्ष श्री संजीव अग्रवाल, श्री चित्रांक द्विवेदी, डीजीसी श्री मृदुल श्रीवास्तव, श्री रोहित गोठनकर सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा झांसी महानगर द्वारा चलाया जा रहा यह संपर्क अभियान स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को गति देने तथा मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। पार्टी पदाधिकारियों ने भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को विजयी बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

समस्या, कारण और समाधान

(यंग भारत न्यूज)

बात प्राचीन काल की है। जब लोग शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरुकुल जाया करते थे । उस समय ना तो कॉपियां किताबें हुआ करती थी और ना ही गुरु अपने शिष्यों को समझाने के लिए किसी पुस्तक या बोर्ड का प्रयोग किया करते थे उस समय गुरु और शिष्य की परंपरा विद्यमान थी ।गुरु जो भी पाठ पढ़ाते उदाहरण या लघुकथाओं के माध्यम से ही शिक्षण कार्य होता था। आश्रम में गुरुजी अपने शिष्यों के बीच जब पहुंचे तो उनके हाथ में एक रुमाल था जिसे सभी शिष्य हो गए क्योंकि आमतौर पर उनके हाथों में कुछ भी नहीं हुआ करता था।

गुरुजी आकर अपने आसन पर बैठे किन्तु आश्चर्य

कि,बैठने के बाद भी काफी देर तक वे कुछ नहीं बोले। शिष्यों ने देखा...! हाथ में जो रुमाल था उसमें उन्होंने थोड़ी थोड़ी जगह छोड़कर लगभग पांच गांठें लगा दीं। इससे पहले शिष्य गुरुजी से कुछ भी पूछते गुरुजी ने ही शिष्यों से पूछा,

'मैं जो रुमाल लाया था वह तुम लोगों ने देखा ही होगा ।

और अब जो इसकी स्थिति है वह भी तुम देख रहे हो ।

क्या गांठें लगने के बाद यह वही रुमाल है,जैसा गांठें लगाने से पहले था ?'

उनमें से एक विद्वान शिष्य ने उत्तर दिया, 'गुरुदेव यदि एक तरह से देखा जाए तो यह रुमाल वही है, क्योंकि इसके मूल तत्व में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और यदि दूसरी दृष्टि से देखें तो पहले इसमें पांच गांठें नहीं लगी थीं,अत: रुमाल पहले जैसा नहीं रहा । अब , जहां तक इसकी मूल प्रकृति का प्रश्न है ,वह भी नहीं बदली है। इसका केवल बाह्य रूप ही बदला है। यह पदार्थ (कपड़ा) भी उतना ही है और इसकी मात्रा भी (माप या वज़न) वही है।'गुरु जी बोले- ठीक है, मैं मानता हूं तुम्हारी यह बात । अब मैं इन सभी गांठों को खोल देता हूं ।'

यह कहकर गुरु जी ने रुमाल के दोनों सिरों की गांठे खोलनी शुरू कर दीं। जैसे ही उन्होंने उन गांठों को खोलेने के लिए खींचा तभी एक शिष्य बोल उठा ,' अरे गुरुदेव आप यह क्या कर रहे हैं, ? ऐसा करने से तो ये गांठें और उलझ जाएंगी और फिर कभी नहीं खुल पाएंगी।' गुरुजी शिष्य की बात ध्यानपूर्वक सुनकर बोले - 'तो फिर मुझे इन गांठों को खोलने के लिए क्या करना चाहिए ?'शिष्य ने कहा- 'इसके लिए सर्वप्रथम आपको ध्यान से देखना होगा कि ! गांठें कैसी लगाई गई हैं। जब यह बात समझ जाएंगे तब इन गांठों को खोलना बहुत आसान हो जाएगा। 'गुरुजी शिष्य की बात सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और बोले -वत्स तुमने जो कहा वह अटल सत्य है। यही बात आज मैं तुम्हें पाठ के माध्यम से बताना चाहता था कि! जिस समस्या से तुम घिर गए हो उससे बाहर निकलने के लिए यह जानना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ! तुम उस समस्या में कैसे पड़े। उसकी पूरी स्थिति का ज्ञान हो जाने पर ही तुम उस समस्या अथवा परेशानी से बाहर आ सकते हो। 'दोस्तों ! समाधान तभी मिलता है जब उस समस्या को समझकर उसके सही कारणों की खोज कर लेते हैं अन्यथा सारा जीवन स्वयं को एवं दूसरों को दोष देने में ही निकल जाता है।'

सीमाशर्मा 'तमन्ना '
नोएडा उत्तर प्रदेश

माँ मरघट काली की भव्य चुनरी यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजा वातावरण

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। माँ मरघट काली की चुनरी यात्रा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ निकाली गई। यात्रा में करीब 300 से 400 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान पूरा मार्ग माता रानी के जयकारों से गूंजता रहा।

यात्रा का शुभारंभ मुरली मनोहर मंदिर से हुआ। इसके बाद यात्रा बड़ा बाजार, मालिनों का चौराहा और गांधी घर का टपरा होते हुए उन्नाव गेट स्थित मुक्तिधाम के गेट नंबर एक के पास माँ मरघट काली जी के मंदिर परिसर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। श्रद्धालु चुनरी लेकर यात्रा में शामिल हुए और उसे माता रानी के चरणों में अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। आयोजन की जिम्मेदारी अभिषेक बुंदेला और नितिन महोबिया ने संभाली। इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि माँ मरघट काली जी की चुनरी यात्रा श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को जनकल्याण एवं सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर मरघट काली कमेटी के अध्यक्ष रजत हजारिया, एडवोकेट अभिषेक कनोजिया, सिद्धार्थ गौतम, तन्मय तिवारी, अंकुर अग्रवाल सहित मातृशक्ति और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा! झांसी में श्रद्धा और भक्ति के साथ विशाल भंडारा संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से झांसी का वातावरण भक्तिमय हो उठा, जब श्री खाटू श्याम जी की असीम कृपा से विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। भंडारे का आयोजन विकास भवन के सामने स्थित आईएमए भवन के मुख्य द्वार पर किया गया, जिसमें सैकड़ों श्याम प्रेमियों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बाबा के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

भंडारे से पूर्व सदर बाजार स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा बाबा को भोग लगाकर प्रसाद अर्पित किया गया। इसके पश्चात भंडारे का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया और बाबा श्याम से परिवार की सुख-समृद्धि, नगर की खुशहाली एवं सभी के कल्याण की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में झांसी के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी, भाजपा नेता संतराम पेंटर, नेशनल पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिनंदन जैन, समाजसेवी संदीप नामदेव, धर्मेंद्र खटीक एवं राजू सेन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार शर्मा, आर.के. सेन, मोहनलाल भारती, पंकज जैन, उपांस जैन, सियाराम सिंह, अरविंद सैन, शेख साहब, मुकेश सैन एवं उमेश सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। महिला शक्ति की ओर से सोनम जैन, साधना जैन, राजेश्वरी, नेशनल पत्रकार एसोसिएशन महिला सभा की झांसी मंडल अध्यक्ष रचना तथा रामवती सिंह सेंगर सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। आयोजन समिति ने बताया कि बाबा खाटू श्याम की कृपा और आशीर्वाद से प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करते हैं। समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी समाजसेवियों, पत्रकार बंधुओं एवं श्याम प्रेमियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

आज सुबह झांसी पहुंचेगी संत मोरारी बापू की भारत स्वस्तिक यात्रा, होगा एक दिवसीय रामकथा का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। राष्ट्रीय संत मोरारी बापू की भारत स्वस्तिक यात्रा ओम कालेश्वर के बाद 16 अक्टूबर 2026 की सुबह झांसी पहुंचेगी। इसके साथ ही भारत की आध्यात्मिक यात्रा भारत के इतिहास के पन्नों में दर्ज वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की वीर भूमि पर पहुंचेगी। झांसी के क्राफ्ट मेला मैदान में एक दिवसीय रामकथा का आयोजन होगा।

झांसी में मोरारी बापू की रामकथा की व्यवस्थाओं की देखरेख मे लगे राष्ट्रभक्त संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अड़जरिया, रवि निखरा, अग्रवाल कैटर्स के संचालक राजीव अग्रवाल,अनूप शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आदि शंकराचार्य ने सनातन को जोड़ने के लिए जहां से भारत स्वस्तिक यात्रा शुरू कर समापन की थी, मोरारी बापू उसी यात्रा को उन्हीं मार्गो पर लेकर जा रहे है। इसका उद्देश्य केवल सनातन को जोड़ने के लिए 10 अक्टूबर से बीस अक्टूबर तक कन्या कुमारी से कश्मीर चलाई जाएगी। इस यात्रा के दौरान एक दिवसीय रामकथा का आयोजन भी मोरारी बापू द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया अभी बापू की यात्रा मध्यप्रदेश से होकर 16 अक्टूबर की सुबह झांसी आ जाएगी। उन्होंने बताया कि दो ट्रेनों में बापू सहित उनके करीब एक हजार के आस पास उनके सेवादार रहेंगे। झांसी में रामकथा होने के पश्चात अगली यात्रा उनकी मथुरा में होगी।

फसल क्षति मुआवजे के लिए किसानों को बड़ी राहत

फार्मर रजिस्ट्री होने पर खतौनी की प्रमाणित प्रति जरूरी नहीं

ललितपुर। दैवीय आपदा के कारण फसल क्षति का सामना कर रहे किसानों को राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पहले से हो चुकी है, उन्हें मुआवजा प्राप्त करने के लिए अब अलग से खतौनी की प्रमाणित प्रति जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रशासन के इस निर्णय से प्रभावित किसानों को अनावश्यक कागजी औपचारिकताओं और तहसीलों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सरल बनाई गई है। फार्मर रजिस्ट्री करा चुके किसान अपने आवश्यक दस्तावेज संबंधित तहसील में जमा कर सकते हैं, जिससे राहत राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जा सके। मुआवजे की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से भेजने के लिए प्रभावित किसानों को संबंधित तहसील में दस्तावेज जमा करने होंगे, जिनमें फार्मर रजिस्ट्री की प्रति, आधार कार्ड की प्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, सक्रिय मोबाइल नंबर, भुगतान एवं सत्यापन के लिए आवश्यक अन्य संबंधित दस्तावेज, फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को खतौनी की प्रमाणित प्रति अलग से नहीं देनी होगी। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने बताया कि फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक अभिलेख जुटाए जा रहे हैं। किसानों के आधार कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य जरूरी दस्तावेजों का प्रशासनिक स्तर पर सत्यापन कर भुगतान की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया को सरल बनाने का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र किसानों तक बिना अनावश्यक देरी के सहायता राशि पहुंचाना है। दैवीय आपदा के कारण फसल खराब होने से किसानों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में प्रशासन का प्रयास है कि राहत राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाकर उन्हें जल्द सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि जिनकी फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है, वे आवश्यक दस्तावेज अपनी संबंधित तहसील में जमा कराएं, ताकि सत्यापन के बाद मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जा सके। प्रशासन ने किसानों को आश्वस्त किया है कि अनावश्यक दस्तावेजों की अनिवार्यता कम करके राहत वितरण को सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बार पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ककरेगा गांव निवासी राघवेन्द्र पुत्र बाबू कुशवाहा के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज है और गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में तथा एएसपी कालू सिंह और सीओ तालबेहट आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 अक्टूबर 2026 को वांछित आरोपी राघवेन्द्र कुशवाहा को गिरफ्तार किया। इस मामले में थाना बार पर मुकदमा अपराध संख्या 179/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137(2), 61(2), 64(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 में अभियोग पंजीकृत है।

गाजीपुर में बीमार बड़ी बहन की देखभाल करने गई छोटी बहन को लेकर भागा जीजा, मां ने थाने में दी तहरीर

(यंग भारत न्यूज)

गाजीपुर : गाजीपुर की रहने वाली एक महिला ने अपने दामाद पर अपनी छोटी बेटी को साथ लेकर भागने का आरोप लगाया है। महिला की ओर से रेवतीपुर थाना में तहरीर भी दी गई है। शिकायत के अनुसार महिला की बड़ी बेटी की तबीयत खराब थी, जिसको देखते हुए छोटी बेटी को उसकी देखभाल के लिए बड़ी बेटी के ससुराल भेजा गया था। उसके बाद छोटी बेटी का अपने जीजा(बहन के पति) के साथ प्रेम संबंध हो गया, जिसके परिणाम स्वरुप जीजा अपनी साली को लेकर भाग गया। पुलिस अब इस मामले की जांच पुलिस कर रही है।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसका दामाद उसकी छोटी बेटी को लेकर कहीं चला गया है। पुलिस ने इस मामले में महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुड़ गई है। महिला ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि उसकी बड़ी बेटी की शादी रेवतीपुर क्षेत्र के एक युवक से हुई थी। शादी के बाद उसकी बड़ी बेटी का स्वस्थ खराब रहने लगा। उसकी देखरेख के लिए एक महिला की जरूरत थी। ऐसे में उसकी छोटी बेटी को कुछ समय के लिए बड़ी बेटी के ससुराल भेजा गया था। महिला को उम्मीद थी की छोटी बेटी बड़ी बहन की देखभाल में सहयोग करेगी।

महिला का आरोप

वहीं इस दौरान महिला का आरोप है की बड़ी बेटी के ससुराल के रहने के दौरान ही उसके दामाद और छोटी बेटी के बीच नजदीकियां बढ़ गई। कथित तौर पर दोनों में प्रेम संबंध हो गया। इसके बाद उसका दामाद उसकी छोटी बेटी को साथ लेकर कहीं चला गया। इस घटना के बाद घर के लोगों ने दोनों की तलाश शुरू की। रिश्तेदार और जाने वालों से भी जानकारी लेने की कोशिश की गई लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चला। छोटी बेटी के ऐसे चले जाने से परिवार के लोग मानसिक अवसाद में हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक धर्मदास सिद्धार्थ ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718